''राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अखबार''

# समाचार गेट

TITLE CODE : HARHIN11569

वर्ष 02, अंक 05 पृष्ठ 08 मूल्य 01 रूपए रविवार, 05 जनवरी 2025 samachargate@gmail.com

**जरूरी सूचना**

सुधी पाठकों को सूचित किया जाता है कि समाचार गेट के नाम पर अगर कोई पत्रकार आपसे पैसे की मांग करता है तो कृपया 9212339503 पर संपर्क करें। समाचार गेट में कार्य कर रहे पत्रकार सिर्फ वही हैं जिनके नाम से खबर छपती हैं।

# हरियाणा को स्टार्टअप्स के लिए एक अग्रणी हब के रूप में स्थापित करना हमारी प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

**मुख्यमंत्री ने हरियाणा के स्टार्टअप उद्यमियों के साथ की बैठक**

**वित्त वर्ष 2025- 26 के राज्य बजट में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए बनाई जाएगी नई योजनाएं : मुख्यमंत्री**

**समाचार गेट/ब्यूरो**

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा को स्टार्टअप्स के लिए एक अग्रणी हब के रूप में स्थापित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। हरियाणा स्टार्टअप्स का एक प्रमुख केंद्र बने, इसके लिए राज्य सरकार द्वारा समर्पित प्रयास किए जा रहे हैं और सरकार का ध्येय है कि मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया के तहत देशभर में हरियाणा की एक अनूठी पहचान बने, जो न केवल आर्थिक विकास का माध्यम बने, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसरों के द्वार भी खोले। मुख्यमंत्री आज यहां हरियाणा के स्टार्टअप उद्यमियों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में सहकारिता और पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा भी उपस्थित रहे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि आगामी समय में हरियाणा में स्टार्टअप्स की संख्या 3 गुणा बढ़नी चाहिए। इसके लिए आज हर सफल स्टार्टअप उद्यमी को यह संकल्प लेना चाहिए कि वह आगे 3 नए स्टार्टअप को बढ़ावा देने में सहयोग करेंगे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि वित्त वर्ष 2025- 26 के राज्य बजट में सरकार स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए नई योजनाएं बनाने पर विचार कर रही है, ताकि युवाओं को स्टार्टअप शुरू करने के लिए मार्गदर्शन और फंड की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के विजन के अनुरूप हरियाणा को विकसित राज्य बनाना हमारी प्राथमिकता है। राज्य सरकार उद्योगों को विकसित करने के लिए विभिन्न नीतियों के तहत प्रोत्साहन दे रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि परंपरागत उद्योगों को बढ़ावा देने में स्टार्टअप बहुत बड़ी भूमिका अदा कर सकते हैं। गांवों में जाकर ऐसे परंपरागत कार्य करने वाले लोगों को जोड़कर उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने परंपरागत व पैतृक उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए पीएम विश्वकर्मा योजना चलाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के राज्य बजट से पहले राज्य सरकार बजट पूर्व परामर्श बैठकों के माध्यम से नागरिकों, उद्योगपतियों व अन्य हितधारकों से सुझाव प्राप्त कर रही है, ताकि हर वर्ग के कल्याणार्थ और हरियाणा के समावेशी विकास का बजट तैयार किया जा सके। मुख्यमंत्री ने स्टार्टअप उद्यमियों से भी बजट के संबंध में सुझाव देने के लिए आमंत्रित किया और सुझावों को बजट में शामिल करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि प्राप्त सुझावों के आधार पर हरियाणा में स्टार्टअप्स की संख्या बढ़ाने के लिए नई योजनाएं बनाई जाएंगी।

**अगले 6 माह में हरियाणा में पर्यटन को बढ़ावा देने पर होगा विशेष फोकस : डॉ अरविंद शर्मा**

बैठक में सहकारिता और पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि हरियाणा में पर्यटन को बढ़ावा देने पर विशेष फोकस किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में अगले 6 माह में पर्यटन विभाग द्वारा नई - नई योजनाओं को क्रियान्वित करते हुए हरियाणा टूरिज्म को बढ़ावा दिया जायेगा और पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए अनेक प्रकार की सुविधाएँ बढ़ाई जाएँगी। प्रदेश में टूरिस्ट इको कल्चर बनाया जायगा, जिससे देश विदेश के पर्यटकों को हरियाणा में पर्यटन स्थलों की जानकारी उपलब्ध हो सकेगी।

**बजट के लिए ऑनलाइन दे सकते हैं सुझाव : राजेश खुल्लर**

बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, जो वित्त मंत्री भी हैं, ने बजट के लिए एक नई पहल की है। हरियाणा के आगामी बजट के लिए इस बार प्रदेश के साथ-साथ अन्य नागरिक भी ऑनलाइन माध्यम से अपने सुझाव दे सकते हैं।

उन्होंने बताया कि https://bamsharyana.nic.in पोर्टल के माध्यम से हर व्यक्ति अपने सुझाव दे सकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की सोच है कि हरियाणा का युवा रोजगार लेने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बने, इस विजन में स्टार्टअप्स बड़ी भूमिका अदा कर सकते हैं।

**मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पहले ऐसे मुख्यमंत्री, जिन्होंने स्टार्टअप उद्यमियों से मुलाकात की : उद्यमी**

बैठक के दौरान स्टार्टअप उद्यमियों ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है जब किसी मुख्यमंत्री ने इस प्रकार से स्टार्टअप उद्यमियों के साथ मुलाकात की है और उनके बारे में जानकारी हासिल की है, यह उनके लिए बड़ा सौभाग्य का क्षण है। उद्यमियों ने कहा कि हरियाणा में उद्योग स्थापित करने में सरकार द्वारा बहुत से प्रोत्साहन दिए जाते हैं। हरियाणा सरकार की ओर से स्टार्टअप नीति के तहत नए उद्योग लगाने के लिए वित्तीय प्रबंधन में भी सहायता मिलती है। उद्यमियों ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के स्टार्टअप इंडिया अभियान के बाद से हरियाणा में स्टार्टअप्स की संख्या बढ़ी है और स्टार्टअप इंडिया के तहत फंड उपलब्ध होने से हर युवा का उद्यमी बनने का सपना साकार हुआ है। बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरूण कुमार गुप्ता, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ साकेत कुमार, सूचना, जन संपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक श्री के मकरंद पांडुरंग सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में हरियाणा के स्टार्टअप उद्यमी मौजूद थे।

# नववर्ष के अवसर पर हरियाणा आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन ने किया भोज का आयोजन

## हरियाणा के राज्यपाल, मुख्यमंत्री सहित तमाम आला अधिकारियों ने की शिरकत

**समाचार गेट/ब्यूरो**

**चंडीगढ़।** नववर्ष के अवसर पर शनिवार को हरियाणा आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन की ओर से हरियाणा निवास में दोपहर भोज का आयोजन किया गया, जिसमें राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत की। इनके अलावा, कैबिनेट मंत्री श्री श्याम सिंह राणा और श्री रणबीर गंगवा सहित तमाम आला अधिकारी भी मौजूद रहे।

एसोसिएशन के अध्यक्ष और मुख्य सचिव डॉ विवेक जोशी और सचिव डॉ अमित अग्रवाल ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस अवसर पर राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि भोज में विशेष रूप से श्री अन्न से बने व्यंजनों को शामिल किया गया है। मोटा अनाज हमारी सदियों की विरासत की पहचान रहा है और आज के समय में भी ये उतना ही उपयोगी है। राज्य सरकार इन फसलों की खेती व इनसे बने उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि भारत के श्री अन्न की विरासत को हरियाणा सरकार निरंतर पहचान दिला रही है।

**मोटा अनाज सेहत और पर्यावरण दोनों के लिए आवश्यक : मुख्यमंत्री**

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन की प्रशंसा करते हुए सभी को नववर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि मोटे अनाज से बने व्यंजन न केवल सेहत के लिए लाभकारी हैं, अपितु मोटे अनाज से बने उत्पादों को बेचकर आज किसान भी आर्थिक रूप से मजबूत हो रहे हैं। मोटा अनाज सेहत और पर्यावरण दोनों के लिए आवश्यक हैं। भारत की श्री अन्न की विरासत देशवासियों को स्वास्थ बनाने में कारगर सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री ने आईएएस अधिकारियों का आह्वान किया कि सभी अधिकारी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत संकल्प को साकार करने में भूमिका अदा करें। इस नए वर्ष में नए संकल्प और नए विजन के साथ कार्य करें और सरकार की योजनाओं को जन जन तक पहुंचाकर उन्हें उनका लाभ देने का काम करें।

**भारत के श्री अन्न की विरासत को हरियाणा दिला रहा पहचान : राज्यपाल**

**मोटा अनाज सेहत और पर्यावरण दोनों के लिए आवश्यक : मुख्यमंत्री**

हरियाणा आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष और मुख्य सचिव डॉ विवेक जोशी ने राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का स्वागत करते हुए कहा कि हमारी एसोसिएशन समय-समय पर प्रशासनिक दक्षता को बढ़ाने के लिए सेमिनार, ट्रेनिंग प्रोग्राम व अन्य कार्यक्रम आयोजित करती रहती है। इसी कड़ी में आज का यह आयोजन किया गया है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरूण कुमार गुप्ता, सूचना, जन संपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक श्री के मकरंद पांडुरंग सहित बड़ी संख्या में आईएएस अधिकारी मौजूद थे।

# रेल परियोजनाओं से बढ़ेगी कनेक्टिविटी, हरियाणा की आर्थिक प्रगति में आएगी तेजी : मुख्य सचिव

**समाचार गेट/ब्यूरो**

**चंडीगढ़।** हरियाणा रेल अवसंरचना विकास निगम (एचआरआईडीसी) द्वारा गत सायं चंडीगढ़ में अपना वार्षिक दिवस मनाया गया। हरियाणा के मुख्य सचिव डॉ. विवेक जोशी, जो एचआरआईडीसी के अध्यक्ष भी हैं, ने कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्षता की।

मुख्य सचिव ने अपने संबोधन में हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर (एचओआरसी) परियोजना की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पातली-मानेसर-एमएसआईएल कनेक्टिविटी लाइन (8.7 किमी) का लाइट इंजन सितंबर 2024 में रोल आउट किया जा चुका है। इसके अलावा, पातली-न्यू पातली-सुल्तानपुर (7.9 किमी) कनेक्टिविटी लाइन और धुलावट-बरसा सेक्शन (29.5 किमी) का निर्माण कार्य और सोहना और धुलावत के बीच डबल टनल (4.7 किमी) का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि एचआरआईडीसी द्वारा कुरुक्षेत्र शहर में एक एलिवेटेड रेलवे ट्रैक का निर्माण भी किया जा रहा है। इस 5.875 किलोमीटर लंबे इस एलिवेटेड ट्रैक का उद्देश्य कुरुक्षेत्र-नरवाना लाइन पर निर्बाध रेल परिवहन संचालन सुनिश्चित करने के लिए पांच लेवल क्रॉसिंग को समाप्त करके कुरुक्षेत्र शहर में भीड़भाड़ को कम करना है और यह काम पूरा होने वाला है।

मुख्य सचिव ने कहा कि ये परियोजनाएं एचआरआईडीसी की स्थायी और समावेशी रेल बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है जो क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देती हैं और पूरे हरियाणा में कनेक्टिविटी को बढ़ाती हैं। उन्होंने एचआरआईडीसी की महत्वपूर्ण उपलब्धियों और राज्य में रेल संपर्क को मजबूत करने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए चल रही परियोजनाओं की सराहना की। मुख्य सचिव ने कहा कि एचआरआईडीसी ने हरियाणा में रेल बुनियादी ढांचे को बढ़ाने में उल्लेखनीय कार्य किया है। उन्होंने कहा कि वह पिछले वर्ष भी गुरुग्राम में इस कार्यक्रम में शामिल हुए थे और दूसरी बार इसका हिस्सा बनकर उन्हें खुशी हो रही है। उन्होंने एचआरआईडीसी प्रबंधन और कर्मचारियों को उनके द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्य के लिए बधाई दी और इसके वार्षिक दिवस के साथ-साथ नए साल की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने एचआरआईडीसी की परियोजनाओं और उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनी गैलरी का भी दौरा किया। लोक निर्माण (भवन एवं सडक़ें) और वास्तुकला विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अनुराग अग्रवाल ने कहा कि हरियाणा उत्तर भारत का एकमात्र राज्य है, जिसके पास राज्य में रेल बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए भारतीय रेलवे के साथ एक संयुक्त उद्यम निगम है। उन्होंने कहा कि रेलवे के विकास के बिना हरियाणा का विकास संभव नहीं है और इस लक्ष्य को प्राप्त करने में एचआरआईडीसी एक अनूठी पहल है। एचआरआईडीसी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश अग्रवाल ने एचआरआईडीसी द्वारा वर्तमान में कार्यान्वित की जा रही परियोजनाओं का विवरण दिया। वार्षिक दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रमुख अधिकारियों के संबोधन, एचआरआईडीसी की पत्रिका रलहरी, वार्षिक डायरी और कैलेंडर का अनावरण के साथ उत्कृष्ट कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

# करतारपुर साहिब में दर्शन अब सहज और सरल हो गए हैं: विपुल गोयल

## कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने करतारपुर साहिब में टेका मत्था

**समाचार गेट/संजय शर्मा**

samachargate@gmail.com

**चंडीगढ़।** कैबिनेट मंत्री श्री विपुल गोयल जी ने अपनी धर्मपत्नी एवं परिवार के साथ शुक्रवार को पाकिस्तान स्थित श्री करतारपुर साहिब में मत्था टेका। उन्होंने गुरु नानक देव जी द्वारा व्यतीत किए गए 18 वर्षों के इस पवित्र स्थल के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस ऐतिहासिक यात्रा के दौरान श्री गोयल ने करतारपुर साहिब कॉरिडोर के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, गुरु नानक देव जी का जीवन हमें मानवता, सेवा और सद्भाव का संदेश देता है। करतारपुर साहिब में मत्था टेककर हमने उस दिव्यता का अनुभव किया, जो करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। श्री गोयल ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को इस तीर्थ यात्रा को संभव बनाने के लिए विशेष धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष अक्टूबर में श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर पर समझौते का नवीनीकरण पांच वर्षों के लिए हुआ, जिसके तहत 20 अमेरिकी डॉलर का शुल्क हटाकर इसे नि:शुल्क रखा गया। इससे श्रद्धालुओं को सहजता और सुविधा मिली है।

करतारपुर साहिब, सिखों के पहले गुरु, गुरु नानक देव जी का निवास स्थान था। उनके जीवन के अंतिम समय में वे यहीं ज्योति में विलीन हुए। उनकी स्मृति में यहां गुरुद्वारे का निर्माण किया गया। पहले श्रद्धालुओं को इस पवित्र स्थल के दर्शन दूरबीन से करने पड़ते थे, क्योंकि यह पाकिस्तान की सीमा में स्थित है।

पंजाबी में करतारपुर कॉरिडोर एक वीजा-मुक्त सीमा पार धार्मिक गलियारा है, जो भारत के पंजाब के गुरदासपुर जिले के डेरा बाबा नानक से पाकिस्तान के नरोवाल स्थित गुरुद्वारा दरबार साहिब को जोड़ता है। यह कॉरिडोर श्रद्धालुओं को बिना वीजा के सीमा पार जाकर दर्शन करने की सुविधा देता है।

यह क्रॉसिंग 1999 में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में दिल्ली-लाहौर बस कूटनीति का हिस्सा थी। 26 नवंबर 2018 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय पक्ष में कॉरिडोर की आधारशिला रखी। 12 नवंबर 2019 को गुरु नानक देव जी की 550वीं जयंती के अवसर पर यह कॉरिडोर पूर्ण रूप से तैयार हो गया।

पिछले साल अक्टूबर में श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर पर समझौते का नवीनीकरण किया गया। इसके साथ ही 20 अमेरिकी डॉलर का शुल्क हटाकर इसे नि:शुल्क कर दिया गया, जिससे श्रद्धालुओं के लिए यह यात्रा और सुगम हो गई।

इस यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने पवित्र गुरुद्वारा साहिब में अरदास की और गुरु नानक देव जी के उपदेशों को याद किया। श्री गोयल ने कहा, यह यात्रा न केवल हमारी धार्मिक आस्था को मजबूत करती है, बल्कि हमें गुरु नानक देव जी के सिद्धांतों पर चलने की प्रेरणा भी देती है।

करतारपुर साहिब में दर्शन अब सहज और सरल हो गए हैं। यह यात्रा गुरु नानक देव जी की शिक्षा और उनके द्वारा दिखाए गए मानवीय मूल्यों को समझने का एक अवसर है, जो आज भी मानवता के लिए प्रासंगिक हैं।

# हरियाणा एंटी करप्शन ब्यूरो की गुरूग्राम टीम ने सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अधीक्षण अधिकारी को 20,000 रुपये की रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

**समाचार गेट/ब्यूरो**

**चंडीगढ़।** हरियाणा एंटी करप्शन ब्यूरो की गुरुग्राम टीम ने 3.1.2025 को सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वन मंत्रालय के फरीदाबाद स्थित सीजीओ कॉम्पलैक्स ऑफिस में तैनात अधीक्षण अधिकारी राजेश कुमार को 20000 रुपये की रिश्वत के लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। ब्यूरो के प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि गुरुग्राम की टीम को इस बारे में शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि आरोपी द्वारा दो नोटिस 16.12.2024 व 30.12.2024 जारी किए गए थे, जिसमें सेवा क्षेत्र उद्योगों के वार्षिक सर्वेक्षण के तहत जांच चरण-दो की अनुसूची के लिए रिटर्न जमा करने की आवश्यकता थी।

आरोपी ने शिकायतकर्ता को चेतावनी दी कि अगर वह उसे रिश्वत नहीं देगा तो उस पर सांख्यिकी संग्रहण अधिनियम के तहत जुर्माना लगाया जाएगा।

मामले की जांच पड़ताल करते हुए आरोपी को पकडने. के लिए योजना बनाई गई और 3 जनवरी, 2025 को एसीबी की टीम ने आरोपी को फरीदाबाद स्थित सीजीओ कॉम्पलैक्स से 20000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया।

आरोपी के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो फरीदाबाद में मुकदमा दर्ज किया गया और आरोपी को आज स्थानीय अदालत में पेश किया गया। अदालत ने आरोपी राजेश कुमार को 14 दिन की ज्यूडिशियल हिरासत में भेजने के आदेश दिये है।

**अपनी शादी, जन्मदिन और विवाह की वर्षगांठ की फोटो हमें भेजें।**
**नोट : मेल में नाम, पता और मोबाईल नंबर जरूर लिखें।**
samachargate@gmail.com

**प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक टोल फ्री नम्बरों की सूची**

| | |
|---|---|
| सीएम शिकायत पोर्टल | 181 |
| विद्युत सेवा | 1912 |
| पशु सेवा | 1962 |
| पुलिस सेवा | 112, 100 |
| अग्नि सेवा | 101 |
| एमबुलैंस सेवा | 102 |
| यातायात पुलिस | 103 |
| आपदा प्रबंधन | 108 |
| चाइल्ड लाइन | 1098 |
| रेलवे पूछताछ | 139 |
| भ्रष्टाचार विरोधी | 1031 |
| रेल दुर्घटना | 1072 |
| सड़क दुर्घटना | 1073 |
| सी एम सहायता लाइन | 1076 |
| क्राइम सटायर | 1090 |
| महिला सहायता लाइन | 1091 |
| पृथ्वी भूकम्प | 1092 |
| बाल शोषण सहायता | 1098 |
| किसान काल सेन्टर | 1551 |
| नागरिक काल सेन्टर | 155300 |
| ब्लड बैंक | 9480044444 |

# अगर थायराइड है तो टीएसएच टेस्ट क्या है जानें?

थायराइड आम बीमारी हो गई है। पहले यह समस्या बड़ी उम्र वालों, और खासतौर पर महिलाओं में ज्यादा होती थी, लेकिन अस्वस्थ खान-पान और अव्यवस्थित जीवनशैली के कारण बड़ी संख्या में युवा तथा बच्चे भी इसकी चपेट में आने लगे हैं। डायग्नोस्टिक चेन एसआरएल की 2017 में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, 32 फीसदी भारतीय थायरॉइड से जुड़ी विभिन्न प्रकार की बीमारियों के शिकार हैं। अब तो थायराइड कैंसर के मामले सामने आने लगे हैं। ऑस्टिन में यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सस के अध्ययन में पता चला है कि थायराइड कैंसर के कारण हर साल लाखों मरीजों को अपनी थायराइड ग्रंथि या इसका कोई हिस्सा निकलवाना पड़ रहा है। अमेरिका के गैर-सरकारी संगठन एएआरपी के अनुसार, थायराइड दुनिया की उन 9 बीमारियों में शामिल हैं, जिन्हें पहचानने में डॉक्टर गलती कर जाते हैं। इसलिए यह जानना जरूरी है कि कौन-सा टेस्ट करवाने से थायराइड का सही-सही पता लगाया जा सकता है। इसका जवाब है-टीएसएच यानी थायराइड स्टिमुलेटिंग हार्मोन टेस्ट। जानिए इसके बारे में -

थायराइड स्टिमुलेटिंग हार्मोन टेस्ट थायराइड ग्रंथि पर किया जाता है। इससे पता लगाया जाता है कि थायराइड ग्रंथि ठीक तरह से काम कर रही है या नहीं कर रही? कहीं यह ओवरएक्टिव या अंडरएक्टिव तो नहीं? हालांकि ये दोनों ही परिस्थितियां नुकसानदायक होती हैं। सबसे खास बात यह है कि इस टेस्ट से शरीर में थायराइड का कोई लक्षण नजर आने से पहले ही बीमारी का पता लगाया जा सकता है।

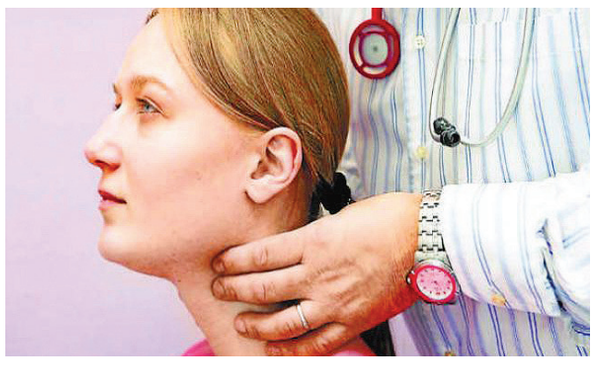

### पहले जानें थायराइड क्या है?

मानव शरीर में ग्रंथि (ग्लैंड) एक ऐसा अंग है, जो शरीर के विकास के लिए जरूरी रासायनिक पदार्थों को स्रावित (निकालता) करता है। थायराइड ग्रंथि टी4 सहित विभिन्न हार्मोन निकालता है, जिन्हें संयुक्त रूप से थायराइड हार्मोन कहते हैं। ये हार्मोन पूरे शरीर में काम करते हैं और शारिरिक विकास, शरीर का तापमान और चयापचय (मेटाबोलज्म) प्रभावित करते हैं। नवाजात शिशुओं और बच्चों का दिमाग विकसित करने में भी इन हार्मोंस की भूमिका होती है। थायराइड हार्मोंस के बनने और शरीर में उपयोग को लेकर कोई परेशानी है तो टीएसएच टेस्ट जरूरी हो जाता है।

## कैसे किया जाता है टीएसएच टेस्ट?

खून की जांच के माध्यम से यह टेस्ट किया जाता है। खून का सैंपल सामान्य तरीके से लिया जाता है और फिर लैब में इसकी जांच होती है। इससे पता लगाया जाता है कि खून में टीएसएच की मात्रा क्या है? यह टेस्ट किसी भी सामान्य लैब पर करवाया जा सकता है।

## थायराइड स्टिमुलेटिंग हार्मोन टेस्ट कब करवाना चाहिए

सलाह दी जाती है कि 40 साल की अधिक उम्र के लोगों को साल में एक बार यह टेस्ट जरूर कराना चाहिए। ध्यान देने वाली बात यह भी है कि हमारे देश में ज्यादातर लोगों को यह नहीं पता होता कि उन्हें थायरायड की बीमारी है क्योंकि इसके लक्षण बेहद सामान्य होते हैं।

## थायरोइड टेस्ट किसको कराना चाहिए

जिन लोगों को लगता है कि उनका वजन जरूरत से ज्यादा बढ़ा हुआ है, उन्हें समय-समय पर थायराइड टेस्ट करवाते रहना चाहिए। यदि किसी को बिना किसी कारण के थकान होती है, कमजोरी लगती है, आलस्य आता है, हाथ-पैर में सूजन है, भूख ज्यादा लगती है तो भी थायराइड हो सकता है। यह स्थिति किसी भी आयु वर्ग के लोगों में हो सकती है। आज कल बच्चे भी शिकार होने लगे हैं। यह बीमारी महिलाओं में सबसे ज्यादा होती है।

## टीएसएच टेस्ट के परिणाम का मतलब

वयस्कों में इसका सामान्य स्तर 0.4 से 5 मिली इंटरनेशनल यूनिट्स प्रति लीटर (mIU/L) होता है। यदि खून में टीएसएच का स्तर ज्यादा है तो अंडरएक्टिव थायराइड हो सकता है। प्रेग्नेंसी के दौरान टीएसएच बढ़ा हुआ हो सकता है। यदि मरीज स्टेरॉयड, डोपामाइन, या ओपिओइड दर्द निवारक (जैसे मॉर्फिन ) दवाओं का सेवन कर रहा है तो जांच में टीएसएच का सामान्य से कम स्तर आ सकता है। टीएसएच का कम स्तर ऑवरएक्टिव थायराइड का संकेत देता है। यदि टेस्ट में टीएसएच का सामान्य से कम स्तर आता है तो इसका अर्थ है कि शरीर में आयोडीन बहुत अधिक बढ़ गया है। मरीज थायराइड हार्मोन की दवाओं का जरूरत से अधिक सेवन कर रहा है।

## टीएसएच टेस्ट के क्या जोखिम होते हैं?

मोटे तौर पर इस टेस्ट का कोई जोखिम नहीं है। हां, जब मरीज के खून के सैंपल लिया जाता है, तब थोड़ा दर्द होता है। सूई से खून निकालने में सावधानी न बरती जाए, तो मरीज को परेशानी हो सकता है, लेकिन ऐसे मामले बहुत कम सामने आए हैं। इस तरह यह टेस्ट कभी भी, कहीं भी करवाया जा सकता है। इसमें कोई बड़ा जोखिम नहीं है। नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इंफोर्मेशन (एनसीबीआई) के मुताबिक, 99.6 फीसदी मामलों में यह टेस्ट सफल होता है।

## थायराइड स्टिमुलेटिंग हार्मोन (टीएसएच) टेस्ट से पहले

कुछ दवाएं ऐसी हैं तो टीएसएच टेस्ट के परिणाम को प्रभावित करती हैं। मसलन - ऐमियोडैरोन, लिथियम, पोटैशियम आयोडाइड, प्रेडनिसोन, डोपामाइन। इसलिए यदि मरीज इनमें से किसी दवा का सेवन कर रहा है तो टीएसएच टेस्ट से पहले डॉक्टर को सूचना जरूर दें। डॉक्टर की सलाह पर इन दवाओं का सेवन कुछ दिन के लिए बंद करने के बाद टेस्ट करवाया जा सकता है।

## टीएसएच टेस्ट के बाद यह है इलाज

अंडरएक्टिव थायराइड की स्थिति में डॉक्टर सिंथेटिक थायराइड हार्मोन की एक गोली रोज खाने की सलाह देते हैं। इससे हार्मोंस का संतुलन बनता है और मरीज सामान्य महसूस करना शुरू कर देता है। मोटापे का शिकार मरीजों का वजन भी घटने लगता है। दो या तीन माह के डोज के बाद एक बार फिर टीएसएच टेस्ट किया जाता है और रिजल्ट सामान्य आने पर दवा बंद कर दी जाती है।

## ऑवरएक्टिव थायराइड का इलाज

इस स्थिति में इलाज के कई विक्ल्प शामिल हैं, जैसे - थायराइड का स्तर घटाने के लिए रेडियोएक्टिव आयोडीन या जरूरत से ज्यादा मात्रा में बन रहे हार्मोंस को रोकने के लिए एंटी-थायरोइड दवाओं का सेवन। यह बीमारी जरूरत से ज्यादा बढ़ने पर हृदय गति बढ़ जाती है, जिसे सामान्य करने के लिए बेटा ब्लॉकर्स का उपयोग किया जाता है। हालात जरूरत से ज्यादा बिगड़ जाए तो फिर सर्जरी भी की जाती है।

### ऐसे होता है थायराइड कैंसर का टेस्ट

एम्स के डॉ. उमर अफरोज के अनुसार, थायराइड की कोशिकाओं में थायराइड कैंसर का निर्माण होता है। इसका पता लगाने के लिए विभिन्न टेस्ट किए जाते हैं, जिनमें शामिल हैं - अल्ट्रासाउंड, स्कैन, बायोप्सी और लैरिंगोस्कोपी। इसके अलावा ब्लड में कैल्शियम, फास्फोरस और कैल्सीटोनिन की मात्रा की जांच भी होती है।

## रेसिपी

### लड्डू पराठा

**सामग्री**

- आटा: 3 कप
- अजवाइन: 1 चम्मच
- नमक: आवश्यकता के अनुसार
- बचे हुए लड्डू: 8-10
- पानी: आवश्यकता के अनुसार

**विधि**

आटे में अजवाइन और नमक मिलाकर नरम आटा गूंथ लें और इसे 10-12 मिनट तक सेट होने के लिए रख दें। अब एक पैन में जरा सा घी डालें। इसके बाद इसमें बचे हुए लड्डुओं को तोड़कर डालें। अगर ये बहुत सख्त हैं तो जरा सा पानी मिला लें। अलग से चीनी मिलाने की जरूरत नहीं। एक से दो बार चलाकर गैस बंद कर दें। तैयार है पराठे की स्टफिंग। अब आटे की छोटी-छोटी लोई बनाएं और इनमें लड्डुओं की स्टफिंग भरकर उन्हें सेंक लें। लड्डू के इन पराठों को आप ब्रेकफास्ट में एन्जॉय कर सकते हैं। बच्चों को टिफिन में देने के लिए भी ये बहुत ही अच्छा ऑप्शन है।

### मटर की कचौरी

**सामग्री**

- गेहूं का आटा या मैदा: 2 कप
- तेल: 2 टीस्पून
- नमक: स्वाद के अनुसार
- हरी मटर: 1 कप
- पिट्ठी भूनने तेल : 2 टीस्पून
- हींग: चुटकी भर
- जीरा: 1/2 टीस्पून
- धनिया पाउडर: 1 टीस्पून
- सौंफ पाउडर: 1/2 टीस्पून
- लाल मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून
- गरम मसाला: 1 टीस्पून
- अमचूर पाउडर: 1/4 टीस्पून
- हरी मिर्च बारीक कटी
- 1 इंच अदरक
- नमक स्वाद के अनुसार
- तेल तलने के लिए

**विधि**

गूंथे हुए आटे को सेट होने के लिए 20 मिनट के लिए एक तरफ रख दें। पिट्ठी तैयार करने मटर के दानों को ग्राइंडर में दरदरा पीस लें। पैन में तेल डालकर गर्म करें। फिर उसमें हींग और जीरा डालें। जीरा ब्राउन होने के बाद धनिया पाउडर, सौंफ, हरी मिर्च, अदरक डालकर हलका सा भूनें और मटर का पेस्ट डालें। फिर लाल मिर्च, गर्म मसाला, अमचूर, हरा धनिया और नमक डालकर मटर को 3-4 मिनट तक भूनें। अब पिट्ठी तैयार है। नींबू के आकार का आटा लेकर लोई बनाएं। उसे हथेली पर रखकर थोड़ा दबाकर बीच में एक छोटी चम्मच पिट्ठी भरकर गोल करें। अब भरी हुई लोई को हथेली से दबाकर उसका आकार बढ़ा लें, इससे लोई में मटर की पिट्ठी एकसार हो जाती है। भरी हुई लोई को बेलन से बेल लें। इसी तरह बाकी कचौरियां भी तैयार कर लें। बेली हुई कचौरी को एक-एक करके गर्म तेल में डालें और पलट कर दोनों ओर से सेंकें। तली हुई कचौरियां किसी प्लेट पर पेपर नैपकिन बिछाकर निकाल लें। इसी तरह सारी कचौरियां तल लें। अब कचौरियों को हरे धनिए की चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** चू चे चो ला ली लू ले लो आ

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-3-5-7

**वृष** इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे। शुभांक-5-6-9

**मिथुन** का की कू घ ङ छ के को हा

अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-5-7

**कर्क** ही हू हे हो डा डी डू डे डो

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक-5-6-7

**सिंह** मा मी मू मे मो टा टी टू टे

स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

**कन्या** टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। आलस्य का त्याग करें। शुभांक-6-8-9

**तुला** रा री रु रे रो ता ती तू ते

प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-8

**वृश्चिक** तो ना नी नू ने नो य यी यू

स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

**धनु** ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-5-6-7

**मकर** भे जा जी खी खू खे खो गा गी

एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-8-9

**कुंभ** गू गे गो सा सी सू से सो दा

सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। शुभांक-3-7-9

**मीन** दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। ''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-6-9

## काकुरो पहेली - 3402

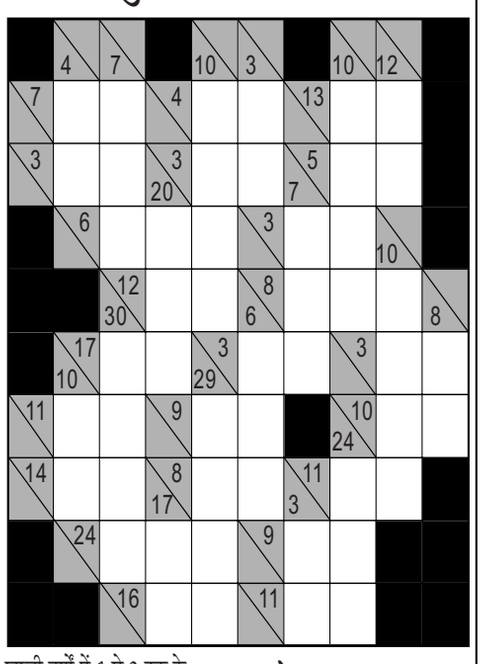

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

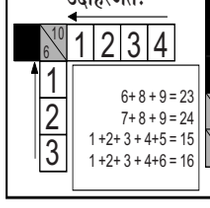


**काकुरो - 3401 का हल**

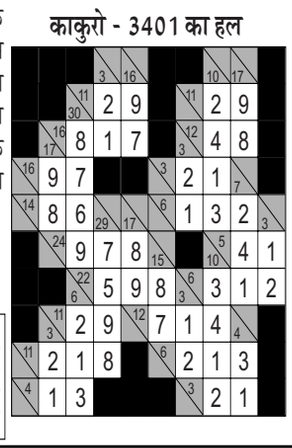

## लॉफिंग ज़ोन

एक औरत का पति मर गया। वह बीमा कंपनी के ऑफिस जाकर मैनेजर से बोली- मैनेजर साहब, मेरे पति गुजर गए हैं। उनके बीमे का रुपया दिलवाइए।

मैनेजर बोला- इस घटना को सुनकर बहुत दु:ख हुआ।

औरत बोली- जरूर हो रहा होगा। मर्दों का हर जगह यही हाल है। जब भी औरत को चार पैसे मिलने का मौका आता है, उन्हें बड़ा दु:ख होता है।

□ □ □

नरेश की शादी एक अनपढ़ महिला से हो गई। शादी की पहली रात वह पति से बोली- आप तो बड़े ही अच्छे और दयालु इंसान हो जी। आपने तो मेरा उद्धार ही कर दिया।

इस पर नरेश ने कहा- ऐसी कोई बात नहीं है।

पत्नी बोली- मेरी भाभी और मेरी चाची हमेशा मुझे प्रताड़ित करती रहती थी और कहती थी कि तेरे जैसी मूर्ख से तो कोई गधा ही होगा जो शादी करके तेरा उद्धार करेगा।

□ □ □

एक बार मिस्टर चमन चित्र प्रदर्शनी देख रहा था।

एक जगह रुक कर उसने कहा- छि:!!! क्या इसे आप मॉडर्न आर्ट कहते हैं?

संचालक- जी नहीं श्रीमान, आप गलत समझ रहे है। इसे तो हम आईना कहते हैं।

## फिल्म वर्ग पहेली- 3402

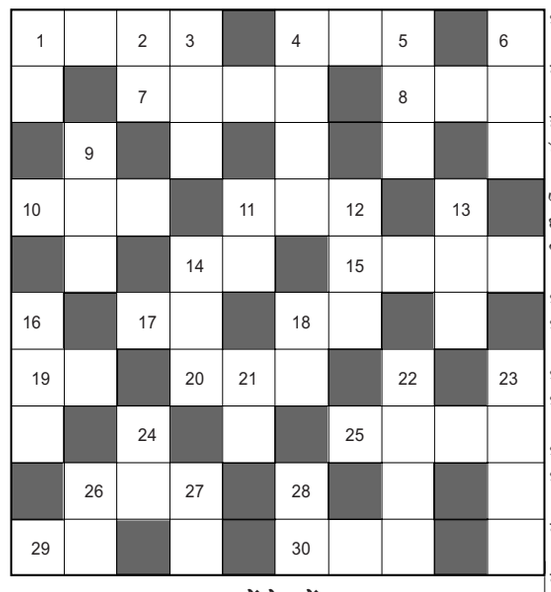

**बायें से दायें:-**

१. सैफअली खान, रानी मुखर्जी की 'सांसों को सांसों में ढलने दो' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'रंग भरे मौसम से रंग चुराके' गीत वाली जैकी श्रॉफ, जूही चावला की फिल्म-३
७. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
८. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की 'तेरी उम्मीद तेरा इंतजार' गीत वाली फिल्म-३
११. फिल्म 'मनोरंजन' में शम्मीकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१४. सलमान, सोमी की 'दिल मेरा यहां' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'कब के बिछड़े हुए' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
१७. अमजद खान, बिंदिया गोस्वामी की 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'मेरे खयालों की मलिका' गीत वाली शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की फिल्म-२
१९. सुनील शेट्टी, रंभा की 'कहां गये ममता' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'तुम भी चलो' गीत वाली अमिताभ, विनोद खन्ना, सायरा बानो की फिल्म-३
२५. अमिताभ, अरशद वारसी, करिश्मा, विजय शांति की फिल्म-४
२६. 'ये दपनियावाले' गीत वाली देवानंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२९. धर्मेन्द्र हेमा की 'दुनिया जब' गीत वाली फिल्म-२
३०. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३

**ऊपर से नीचे:-**

१. नसीरूद्दीनशाह, जैकीश्रॉफ, नगमा की फिल्म-२
२. करणनाथ, मनीषा नतान्यासिंह की 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-२
३. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
४. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'बदली है ना बदलेगी' गीत वाली फिल्म-४
५. देवानंद, मधुबाला की फिल्म-३
६. 'बनाकेक्यूं बिगाड़ा रे' गीत वाली फिल्म-३
९. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षयखन्ना, अमृता राव की फिल्म-३
११. 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'खाई है रे हमने' गीत वाली राजेंद्र, शर्मिला की फिल्म-३
१३. फिल्म 'सपने साजन के' की नायिका-३
१४. राजकपूर, दिलीपकुमार, नर्गिस की 'झूम झूम के नाचो आज' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली फिल्म-३
१८. सनी देओल, सुष्मिता सेन की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे तो गिरधर गोपाल' गीत वाली फिल्म-२
२२. मनोजकुमार, साधना की फिल्म-४
२३. 'जो उनकी तमन्ना है' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
२६. 'सुना था देखा ना था' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
२७. अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२८. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली फिल्म-२

**फिल्म वर्ग पहेली- 3401**

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| दी | वा | ने | ■ | फू | ल | औ | र | कां | टे |
| वा | ■ | हा | सि | ल | ■ | जा | ■ | टे | ■ |
| र | न | ■ | र्फ | ■ | शे | र | नी | ■ | झु |
| ■ | सी | ■ | तु | म | ■ | ■ | य | ती | म |
| श | ब | न | म | ■ | स | पू | त | ■ | रू |
| त | ■ | र्गि | ■ | जू | ■ | र्णि | ■ | तू | ■ |
| र | ■ | स | हे | ली | ■ | मा | ई | ल | व |
| ज | या | ■ | श | ■ | ज | ■ | मा | ■ | र |
| ■ | श | ज | म | ह | ल | ■ | न | ■ | दा |
| ली | ना | ■ | ■ | म | वा | ली | ■ | डॉ | न |

## सूडोकु -3402

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | 6 | 8 | 5 | | |
| | 1 | | | | | | 2 | |
| | | 2 | | | | | | 8 |
| | | | 4 | | | | | 9 |
| 6 | | | | 5 | | | | 1 |
| 2 | | | | | 3 | | | |
| 5 | | | | | | 3 | | |
| | 8 | | | | | | 6 | |
| | | 4 | 9 | 1 | | | | |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु -3401 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 4 | 6 | 7 | 9 | 3 | 5 | 8 | 1 |
| 3 | 1 | 5 | 2 | 8 | 6 | 4 | 7 | 9 |
| 7 | 8 | 6 | 1 | 5 | 4 | 2 | 3 | 6 |
| 6 | 5 | 7 | 9 | 3 | 8 | 1 | 4 | 2 |
| 9 | 3 | 1 | 4 | 7 | 2 | 8 | 6 | 5 |
| 4 | 2 | 8 | 6 | 1 | 5 | 7 | 9 | 3 |
| 1 | 9 | 2 | 3 | 4 | 7 | 6 | 5 | 8 |
| 5 | 7 | 3 | 8 | 6 | 1 | 9 | 2 | 4 |
| 8 | 6 | 4 | 5 | 2 | 9 | 3 | 1 | 7 |

## शब्द पहेली - 3402

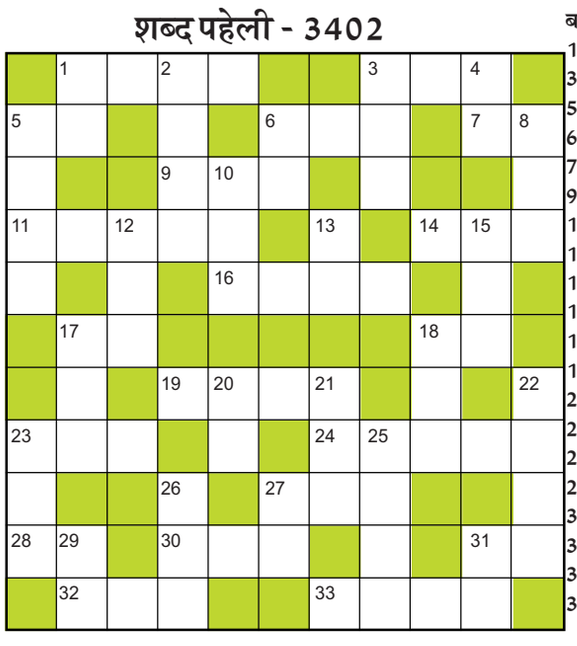

**बाएँ से दाएँ**

1.असभ्यता,मूर्खता-4
3.निर्भय,बहादुर-3
5.प्याला-2
6.सहारा,शरण-3
7.मां का भाई-2
9.साठ वर्ष की अवधि-3
11.परतंत्रता,गुलामी-5
14.दानव,दैत्य-3
16.लूटपाट-4
17.वाद्य यंत्र-2
18.परछाई,छाया-2
19.आदत,स्वभाव(उर्दू-4)
23.जंगल,वन-3
24.सेंधमार-5
27.गजल लिखने वाला-3
28.मोटा आटा,सूजी-2
30.गुलिस्तां,बाग-3
31.एक ग्रह,शनिश्चर-2
32.दबाना,कुचलना-3
33.रोब वाला, ठसके वाला-4

**ऊपर से नीचे**

1.मंत्रों का पाठ-2
2.उद्देश्यहीन-4
3.अनूठा,अनोखा-3
4.लक्ष्मी,कमला-2
5.खोजना,रोना-4
6.एक पौधा,अकुवा, आकड़ा-2
8.दक्ष,होशियार-3
10.जमीकंद,एक सब्जी-3
12.धैर्य,संयम-3
13.अस्थमा-2
15.एक गायिका-3
17.वर्षा ऋतु-3
18.महोदय-3
20.पैंदा,तला-2
21.पुत्र,बेटा-3
22.अवमानना-4
23.नास्तिक (उर्दू-3)
25.करामात-4
26.प्रतिज्ञा-3
27.ठाठ-बाट-2
29.अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31.तीर,बाण-2

**शब्द पहेली -3401 का हल**

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ■ | अ | स | ह | यो | ग | ■ | अ | दा | व | त |
| र | क्स | ■ | रा | ■ | ग | रु | ड़ | ■ | न | र |
| ख | ■ | स | ना | त | न | ■ | ना | म | ■ | क |
| र | फ्ता | र | ■ | ■ | चुं | गी | ■ | त | म | स |
| खा | ■ | मा | ■ | चा | बी | ■ | सी | ■ | ही | ■ |
| ब | ल | या | का | र | ■ | प | रा | या | प | न |
| ■ | क | ■ | या | ■ | का | ल | ■ | द | ■ | क |
| द | वा | त | ■ | भ | ला | ■ | ■ | गा | य | ब |
| र | ■ | र | ज | ■ | बा | जी | ग | र | ■ | ज |
| क | र | ■ | ल | ह | जा | ■ | र्ज | ■ | खा | न |
| ना | जा | य | ज | ■ | र | घु | ना | य | क | ■ |

# 25 जनवरी को होगा हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान अभियान के तहत कार्यक्रम

## एडीसी साहिल गुप्ता ने दिए आवश्यक दिशा निर्देश

समाचार गेट/जितेन्द्र सिंह
samachargate@gmail.com

**फरीदाबाद।** देश के संविधान के संस्थापकों के योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान टैगलाइन के साथ जिला में 25 जनवरी को जिला स्तर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी एडीसी साहिल गुप्ता ने दी। हरियाणा के मुख्य सचिव विवेक जोशी के साथ हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बाद एडीसी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एडीसी गुप्ता ने बताया कि डीसी विक्रम सिंह के मार्गदर्शन में संविधान के उद्देश्य को लेकर आमजन को जागरूक करने हेतु तैयार शेड्यूल के अनुरूप विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि 26 नवंबर-2024 से शुरू हुआ यह अभियान जो इस वर्ष भी संविधान दिवस तक जारी रहेगा।

एडीसी साहिल गुप्ता ने बताया कि 24 जनवरी तक सभी शिक्षण संस्थान में विद्यार्थियों की विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित करवाई जाएंगी। साथ ही संविधान डॉक्यूमेंट्री भी विद्यार्थियों को शिक्षण संस्थाओं ने दिखाने के निर्देश दिए गए इसके अतिरिक्त ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संविधान को अपनाने की 75वीं वर्षगांठ पर जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि संविधान के अंगीकृत करने की 75वीं वर्षगांठ के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों का उद्देश्य भारत के संविधान में निहित मूल मूल्यों को दोहराना और नागरिकों को लोकतंत्र को मजबूत करने में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम की श्रृंखला में 14 अप्रैल 2025 से 28 अप्रैल 2025 तक 15 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित होंगे। बाबा साहब डॉ. बी.आर. अंबेडकर के योगदान का प्रचार करने के लिए संविधान स्वाभिमान यात्राएं आयोजित होंगी। इस अवसर पर सीटीएम अंकित कुमार, डिप्टी सीईओ परमेन्द्र सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

# नशे से दूरी जीवन के लिए जरुरी : डॉ. अशोक कुमार वर्मा

समाचार गेट/जितेन्द्र सिंह
samachargate@gmail.com

**पानीपत।** हरियाणा राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो प्रमुख/ पुलिस महानिदेशक श्री ओपी सिंह, भापुसे साहब के दिशानिर्देशों एवं मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक श्री मोहित हांडा, भापुसे और श्रीमती पंखुडी कुमार जी के आदेशानुसार हरियाणा भर में नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। ब्यूरो द्वारा पुलिस उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा को जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी का दायित्व सौंपा गया है। वे इस कार्य को करने के लिए साइकिल के साधन का प्रयोग करते हुए हरियाणा के गांव गांव तक जाकर युवाओं और विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। आज वे पानीपत ज़िले में पहुंचे हुए थे। सर्वप्रथम वे पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जाटल पहुंचे और राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के अंतर्गत शिक्षक एवं कार्यक्रम संयोजक पवन कुमार की अध्यक्षता में ब्यूरो द्वारा 69 वां नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम किया जिसमें 54 प्रतिभागियों ने भाग लिया। ब्यूरो अधिकारी डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो और पुलिस न केवल अपराधियों को सलाखों के पीछे भेज रही है अपितु जागरूकता के माध्यम से भी नशा मुक्त हरियाणा बनाने के लिए प्रयत्नशील है ताकि कोई व्यक्ति अशिक्षा, अज्ञानता, कर्तव्य विमुखता और लोभ आदि के चक्कर में नशे की दलदल में न फंसे। कार्यक्रम के अंत में शपथ ग्रहण करवाई गयी। तत्पश्चात राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कवी में नशे के विरुद्ध 70 वां जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया जहां पर 60 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। दोनों स्थानों पर नशे के दुष्प्रभावों के बारे विस्तार से बताया गया कि प्रतिबंधित नशा मनुष्य के लिए किस प्रकार हानिकारक है। डॉ. वर्मा ने कविता गायन और नारों के साथ स्वयंसेवकों में जागरूकता के माध्यम से चरित्र निर्माण और सदाचार का मार्ग अपनाने के लिए प्रेरित किया।

# जन समस्याओं के समाधान का मंच बना समाधान शिविर

समाचार गेट/ब्यूरो
samachargate@gmail.com

**फरीदाबाद।** हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार डीसी विक्रम सिंह के मार्गदर्शन में समाधान शिविर के माध्यम से जन सुनवाई करते हुए जरूरतमंद लोगों की सार्वजनिक व व्यक्तिगत शिकायतों का प्राथमिकता से निदान किया जा रहा है। जिला मुख्यालय व उपमंडल स्तर पर प्रतिदिन कार्य दिवस पर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक लगाए जा रहे समाधान शिविर में लोगों की शिकायतों का समाधान किया जा रहा है। समाधान शिविर में शुक्रवार को एसडीएम फरीदाबाद शिखा ने नागरिकों की समस्याओं पर सुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। एसडीएम फरीदाबाद शिखा ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि समाधान शिविर में संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी मौके पर उपस्थित रहे ताकि शिकायतों का जल्द निपटारा किया जा सके और शिकायतकर्ताओं को समाधान होने पर जानकारी दी जाए। इनमें प्रमुख तौर पर प्रॉपर्टी आईडी, परिवार पहचान पत्र, जमीन का पंजीकरण, लोकल बॉडी का नो ड्यूज सर्टिफिकेट, म्युनिसिपल कमेटी से नक्शा अनुमोदन, बिजली-सिंचाई-सार्वजनिक स्वास्थ्य, समाज कल्याण पेंशन तथा अपराध की शिकायतें और राशन कार्ड को शामिल किया गया है। इनसे संबंधित हर प्रकार की शिकायतों के समाधान के लिए समाधान शिविर में संपर्क किया जा सकता है। सरकार द्वारा निरंतर समाधान शिविर में प्राप्त हो रही शिकायतों के समाधान की समीक्षा की जा रही है। मुख्यमंत्री कार्यालय एवं मुख्य सचिव कार्यालय द्वारा निरंतर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समाधान शिविरों की निगरानी की जा रही है।

## अब 8 तक मिलेगा सरसों का तेल

समाचार गेट/संजय शर्मा

**फरीदाबाद।** जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक प्रवक्ता ने बताया कि जनहित को ध्यान में रखते हुए निदेशालय खाद्य नागरिक एवं उपभोक्ता मामले विभाग हरियाणा चंडीगढ़ द्वारा मास दिसंबर-2024 के लिए आबंटित सरसों तेल के वितरण की अवधि दिनांक 08 जनवरी 2025 तक बढ़ा दी गई है। इस प्रकार जो लाभार्थी मास दिसम्बर 2024 हेतु आबंटित सरसों तेल प्राप्त करने से वंचित रह गये है, वे अपने नजदीक डिपो धारक से दिनांक 08 जनवरी 2025 तक मास दिसम्बर 2024 का सरसों तेल प्राप्त कर सकते है। निदेशालय के निर्देशानुसार वर्तमान में सभी बीपीएल/एएवाई राशन कार्ड धारकों को 2 लीटर सरसों तेल प्रतिकार्ड 20/-रूपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से वितरण किया जा रहा है। किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए सहायक खाद्य एव आपूर्ति अधिकारी, बल्लभगढ़- 7838455860, सहायक खाद्य एव आपूर्ति अधिकारी, एनआईटी फरीदाबाद- 9466285499 और सहायक खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी, ओल्ड फरीदाबाद- 8076060035 से दिए गए नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं।

# नए आपराधिक कानूनों बारे जागरूकता के लिए सराय ख्वाजा विद्यालय में सेमिनार का आयोजन

समाचार गेट/संजय शर्मा
samachargate@gmail.com

**फरीदाबाद।** जिला शिक्षा विभाग के आदेशानुसार गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सराय ख्वाजा फरीदाबाद में लीगल लिटरेसी क्लब, जूनियर रेडक्रॉस और सेंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड के सहयोग से प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचंदा की अध्यक्षता में हाल ही में भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के बारे में विस्तृत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता जिला सहायक न्यायवादी सिद्धार्थ शर्मा का स्वागत करते हुए प्राचार्य मनचंदा ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 ये तीनों कानून 1 जुलाई 2024 से लागू हो गए हैं। हरियाणा विधानसभा में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 23 (2) और 23 (3) के अंतर्गत जुर्माने की सीमा बढ़ाने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (हरियाणा संशोधन) विधेयक 2024 लाया गया है।आपराधिक धमकी, अपमान, कष्ट, मानहानि आदि से संबंधित अपराधों और उससे संबंधित या उसके आनुषंगिक विषयों से संबंधित प्रावधानों को समेकित और संशोधित करने के लिए एक अधिनियम लाया गया है। मुख्य वक्ता जिला सहायक न्यायवादी सिद्धार्थ शर्मा ने कहा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 में शिकायतकर्ता की अनुपस्थिति या मृत्यु की स्थिति में न्यायिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के प्रावधान हैं। भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 में दस्तावेज़ी साक्ष्य से जुड़े प्रावधान हैं। इसमें प्राथमिक और द्वितीयक साक्ष्य के बीच अंतर बताया गया है। भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 में इलेक्ट्रॉनिक अभिलेखों से जुड़े साक्ष्य के बारे में विशेष प्रावधान हैं. इसमें इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड्स की स्वीकार्यता और विषय-वस्तु को सिद्ध करने के प्रावधान हैं। जूनियर रेडक्रॉस और सेंट जॉन एंबुलेंस प्रभारी प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचंदा ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023, 1 जुलाई 2024 से लागू हो चुका है। प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में तकनीक को इन कानूनों का आधार बनाया गया है जिससे ये विश्व में सबसे आधुनिक आपराधिक कानून होंगे तथा भारतीय नागरिक सुरक्षा (द्वितीय) संहिता, 2023 (बीएनएसएस 2) दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (सीआरपीसी) को प्रतिस्थापित करने का प्रयास करती है। सीआरपीसी गिरफ्तारी, अभियोजन और जमानत की प्रक्रिया प्रदान करती है। प्राचार्य मनचंदा, प्राध्यापिका सरिता, राजीव लाल और प्राध्यापिका ममता ने जिला सहायक न्यायवादी सिद्धार्थ शर्मा का अध्यापकों और विद्यार्थियों को तीनों नए कानूनों के विषय में जागरूक करने के लिए आभार व्यक्त किया तथा आग्रह किया कि सारे स्टाफ और विद्यार्थियों के लिए पुन: प्रार्थना सभा में इस जागरूकता कार्यक्रम से लाभान्वित करने का प्रयास करें जिस से सभी नए कानूनों के प्रावधानों से परिचित हों।

# धुंध व कोहरे में सड़क दुर्घटनाओं की संभावनाओं को खत्म करने को लेकर उपायुक्त ने विभागों को दिए निर्देश

## उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने सर्दी व कोहरे के मौसम में वाहन चालकों से की सावधानी बरतने की अपील

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

**नूंह।** जिला में धुंध व कोहरे के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने संबंधित विभागों को जरूरी एवं आवश्यक के दिशा निर्देश दिए हैं। इसके साथ-साथ उपायुक्त ने वाहन चालकों से भी धुंध व कोहरे में सावधानी बरतने की अपील की है। उपायुक्त ने कहा है कि सर्दी के मौसम में धुंध व कोहरे के कारण सड़कों पर कम दृश्यता होना सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण बनता है। उपायुक्त ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जिला में सड़क व फुटपाथ को बाधित करने वाले पेड़-पौधों की टहनियों की कटाई-छंटाई करें। पेड़-पौधों की टहनियां आदि की अतिवृद्धि जो दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है, की कटाई छंटाई जरूरी है।

इसी प्रकार उपायुक्त ने सड़कों पर सफेद, पीली पट्टी, कैटआई, हजार्ड मार्कड, पेट बोर्ड, जेबरा क्रासिंग तथा रम्बल रिट्रप्स आदि लगवाने के लिए लोक निर्माण विभाग व एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं ताकि धुंध के चलते वाहन चालकों को वाहन चलाने में आसानी हो। इसके साथ-साथ उपायुक्त ने वाहनों से भी धुंध व कोहरे में सावधानी बरतने की अपील की है। सर्दी कोहरे के मौसम में एहतियात उपायों से नागरिक स्वयं ही नहीं, बल्कि दूसरे को भी सुरक्षित रख सकें। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में कोहरे व धुंध के चलते सड़कों पर दृश्यता कम रहने की संभावना है। ऐसे में सड़कों पर वाहन का प्रयोग करते समय अधिक सावधानी बरतनी होगी। वाहन मालिक यह भी सुनिश्चित करें कि वाहनों की हेड लाइट, टेल लाइट, फॉग लाइट सहित इंडिकेटर, ब्रेक, टायर, विंडस्क्रीन वाइपर, बैटरी व कार हीटिंग सिस्टम सही तरीके से काम कर रहे हो। कोहरे के दौरान यात्रा करते समय वाहन चालक लो-बीम हेड लाइट का इस्तेमाल करें, क्योंकि धुंध के दौरान हाई-बीम हेड लाइट कारगर नही होती है। इंडिकेटर को भी ऑन रखें ताकि दूसरे वाहन को भी आपकी कार का पता चल सके। यदि कोहरे के कारण दृश्यता कम हो जाती है तो ऐसी स्थिति में फॉग लाइट को उपयोग अवश्य करें। उन्होंने कहा कि दृश्यता बेहद खराब होने की स्थिति में वाहन चालक सड़क पर पेंट की गई लाइन को गाइड के रूप में उपयोग करते हुए वाहन चलाएं। ड्राइव करते समय जरूरी है कि आपका पूरा ध्यान सड़क पर हो। धुंध के दौरान गाड़ियो की गति सीमा नियंत्रित रखने व मोबाइल फोन तथा म्यूजिक सिस्टम का उपयोग करने से बचे। उन्होंने यातायात पुलिस को निर्देश दिए है कि वे वाहन चालकों को इस बारे में निरंतर जागरूक करते रहें।

# प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना नागरिकों के लिए कारगर सिद्ध : उपायुक्त

**योजना के तहत 18 से 70 वर्ष के नागरिक अपना दुर्घटना बीमा करवाएं**

**योजना के तहत 436 रुपए वार्षिक प्रीमियम जमा कराकर 2 लाख रुपए के जीवन बीमा का उठाएं लाभ**

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

**नूंह।** उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजनाएं नागरिकों के लिए कारगर सिद्ध हो रही हैं। इन योजनाओं के फार्म प्रत्येक बैंक व डाकघर में उपलब्ध हैं। इन योजनाओं में निर्धारित वार्षिक प्रीमियम जमा करवा कर दो लाख रुपए तक का बीमा करवाया जा सकता है।

उपायुक्त ने बताया कि केंद्र सरकार ने प्रत्येक बैंक उपभोक्ता को जीवन सुरक्षा बीमा योजना का लाभ देने के लिए दो स्कीम चलाई हुई हैं। सामाजिक सुरक्षा योजना सामान्य परिवार को मुश्किल की घड़ी में आर्थिक समर्थन देकर मजबूत बनाती है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में 18 से 50 वर्ष आयु के व्यक्ति नामांकन करवा सकते हैं। योजना के तहत 436 रुपये वार्षिक प्रीमियम जमा करवाना होता है तथा इससे 2 लाख रुपए के जीवन बीमा का संरक्षण मिलता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एक दुर्घटना बीमा योजना है। इस योजना के तहत 18 से 70 वर्ष तक के नागरिक अपना दुर्घटना बीमा करवा सकते हैं। केवल 20 रुपये के वार्षिक प्रीमियम पर इस योजना में दो लाख रुपये का दुर्घटना बीमा संरक्षण प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि इन बीमा योजनाओं का प्रीमियम उपभोक्ता के बैंक या डाकघर खाते में से ऑटो डेबिट होता है तथा दावे की राशि संबंधित के बैंक खाते में सीधे जमा हो जाती है। इन योजनाओं में नामांकन करवाने के लिए अपने नजदीकी बैंक शाखा अथवा डाकघर से संपर्क करें। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया है कि वे अधिक से अधिक सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं।

# महावीर इंटरनेशनल सोशल फाउंडेशन ने मनाया लुई ब्रेल का 216वां जन्म दिवस

समाचार गेट/संजय शर्मा
samachargate@gmail.com

**फरीदाबाद।** लुई ब्रेल वो शख्शियत है जिसने करीब 175 वर्ष पूर्व 6 डॉट की ऐसी लिपि इजहार की जो ब्रेल सक्रिप्ट के नाम से मशहूर हुई, जो दृष्टिहीन लोगों के पढ़ाई लिखाई में बहुत कारगर सिद्ध हुई और इसे पूरे विश्व में मान्यता मिली

ऐसी महान शख्शियत की 216वीं जन्म जयंती 4 जनवरी 2025 को गांधी कॉलोनी स्थित राधा कृष्ण मंदिर में मनाई गई। इस अवसर पर वृन्दावन से सांवरा नामक गायक ने भजन से जन समूह का मन मोह लिया, इसके साथ कुछ दृष्टिहीन गायकों ने भी जम कर भजन गायन किया जिसमें आजाद गायक प्रमुख थे।

महावीर इंटरनेशनल के प्रमुख वीर अजीत पटवा ने लुई ब्रेल का परिचय दिया कि वर्ष 4 वर्ष की उम्र में ही किसी इंजुरी से एक आंख की रोशनी चली गई और किसी तरह के ईलाज से आंख ठीक नहीं हो पाई और धीरे धीरे दूसरी आंख की रोशनी भी चली गई । लुई ब्रेल फ्रांस के गांव में रहने वाले थे, वहां के एक पादरी ने उन्हें पढ़ाई करने में सहायता की और लुई ब्रेल इंटेलीजेंट थे और सब तरह की कठिनाई के बावजूद इन्होंने मन लगा कर पढ़ाई की और फ्रांस की रॉयल कॉलेज में प्रोफेसर बन गए । यह है रोशनी नहीं होते हुए सिर्फ सुन कर सफलता की मंजिल प्राप्त की । चूंकि उन्होंने पढने. में जो कठिनाई महसूस की, वह आगे आने वाले समय में दृष्टिहीन लोगों को दिक्कत नहीं आए इस उद्देश्य से 6 डॉट की लिपी तैयार की, जिसे 1950 में यूनेस्को से मान्यता मिली और फिर विश्व ने 2005 में इस लिपी को मान्यता दी। इस महान विभूति की तस्वीर को माल्यार्पण कर सम्मान देकर नमन किया गया। लुई ब्रेल दृष्टिहीन लोगों के लिए देवता माने जाते हैं। श्री पटवा ने बताया कि इस मंदिर के पास ही ब्लाइंड सेवाश्रम बनाया गया है, जिसे महावीर इंटरनेशनल की इकाई बनाया गया है और वहां रहने वालों की सब सुविधा उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने फरीदाबाद की जनता से आह्वान किया कि इस तरह की ब्लाइंड सेवा के लिए महावीर इंटरनेशनल का साथ दें।

## संपादकीय

# संभल मस्जिद और बर्क की मुश्किलें..!

सांसद जिया-उर-रहमान बर्क की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही है। संभल प्रशासन ने उन्हें अवैद्य निर्माण के मामले में तीसरा नोटिस जारी किया है तो वहीं कोर्ट ने उनकी FIR रद्द करने की अर्जी नामंजूर कर दी है। पुलिस ने सपा सांसद पर हिंसा भड़काने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है।

**नरवीर यादव**
**कार्यकारी संपादक**

कोर्ट ने जिया-उर-रहमान बर्क की एफआईआर रद्द करने की अर्जी नामंजूर कर दी है। हालांकि कोर्ट ने सपा सांसद की गिरफ्तारी पर रोक लगाई है। हाईकोर्ट ने कहा है कि संभल हिंसा की जांच जारी रहेगी। जांच में जिया-उर-रहमान बर्क पुलिस का सहयोग करें।

**क्या है पूरा मामला...?**

संभल पुलिस ने जिया-उर-रहमान बर्क के खिलाफ संभल में हिंसा भड़काने को के मामले में मुकदमा दर्ज किया था। जिया-उर-रहमान बर्क के साथ-साथ पुलिस ने स्थानीय सपा विधायक इकबाल महमूद के बेटे को भी आरोपी बनाया था। इसी मामले को लेकर कोर्ट ने बर्क की अर्जी नामंजूर कर दी है।

5 दिसंबर 2024 को जिया-उर-रहमान बर्क को बिना नक्शा पास कराए मकान बनाने के मामले में पहली बार नोटिस भेजा गया था। SDM ने उन्हें जवाब देने के लिए 12 दिसंबर तक समय दिया था लेकिन संभल सांसद ने जवाब नहीं दिया। 13 दिसंबर को SDM ने बर्क को दूसरी बार नोटिस भेजा गया और साथ ही, तुरंत निर्माण काम रोकने के निर्देश दिया गया था और कहा गया था कि अगर निर्माण कार्य नहीं रुकता है तो जुर्माने के तौर पर रोजाना 500 रुपए देना होगा।

अवैध निर्माण को लेकर समाजवादी पार्टी के सांसद जिया उर रहमान बर्क को तीसरे नोटिस पर एसडीएम डॉ. वंदना मिश्रा ने कहा कि संभल के विनियमित क्षेत्र में किसी भी तरह का निर्माण शुरू करने से पहले मानचित्र स्वीकृत कराना होता है जो नहीं कराया गया। इस मामले में पहले नोटिस के बाद उन्होंने और समय की मांग की। दूसरे नोटिस के बाद आपत्ति जताई और उसी के क्रम में उन्हें सबूत पेश करने के लिए तीसरा नोटिस दिया गया। अब सबूत पेश होने के बाद फैसला किया जायेगा।

# सुरक्षित एवं नियंत्रित रेल संचालन के लिए डीआरएम बीकानेर द्वारा उठाए जा रहे महत्वपूर्ण कदम

**कडाके की ठंड में रेवाडी, भटिंडा व सूरतगढ रेल खंड होता है अत्यधिक धुंध एवं कोहरे से प्रभावित**

**रेल के लोको पायलट को उपलब्ध कराई गई डिवाइस धुंध-कोहरा के बीच देती है सिग्नल की जानकारी**

**समाचार गेट/सुनील दीक्षित**

**कनीना।** उत्तर-पश्चिम रेलवे के बीकानेर मंडल में ठंड के मौसम में नियमित व निर्धारित रेल संचालन को लेकर विशेष नयी तकनीक का सहारा लिया जा रहा है। सर्दी के धुंध एवं कोहरायुक्त मौसम में कम तापमान से रेललाइन के सिकुड़ने तथा रेल संचालन को लेकर विशेष तकनीक अपनाई जा रही है। रेल मंडल पर 272 पैसेंजर ट्रेनों एवं 126 गुड्स ट्रेनों में लोको पायलटों को फोग डिवाइस उपलब्ध कराई गई है। जो धुंध एवं कोहरे के समय लोको पायलट को सिग्नल के सम्बंध में सही एवं सटीक सूचना प्रदान कर रही है। ये फोग डिवाइस लोको पायलट को नजदीक आने वाले सिग्नल का संकेत करती है। जो सिग्नल से 2000 मीटर पहले ही लोको पायलट को सूचित कर दता है। इस संकेत पर लोको पायलट गाड़ी की गति को नियंत्रित करते हुए आगामी सिग्नल को सुरक्षित पार करने के लिए तैयार हो जाता है।

ये उपकरण सुरक्षित एवं नियंत्रत रेल संचालन में श्रेष्ठ डिवाइस साबित हो रहा है। बीकानेर मंडल

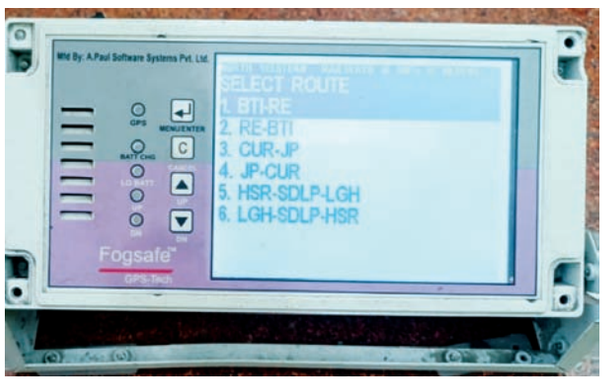


का रेवाड़ी जंक्सन से बठिंडा रेलखंड एवं भटिंडा से सूरतगढ़ रेलखंड विशेष रूप से फोग से प्रभावित माना गया है। फोग डिवाइस के अलावा रेलपथ पर गुड्स वार्निंग बोर्ड की दक्षता बढ़ाने हेतु रेडियम की स्ट्रिप लगाने का कार्य किया जा रहा है। रेलपथ पर चूना पट्टी की व्यवस्था भी की जाएगी, जिससे लोको पायलट धुंध की स्थिति को आसानी से समझ सके, ये बिटविन सेक्शन में लगाई जाती है।

इसके साथ ही सुरक्षित रेल यातायात के लिए रेल पथ पर रात्रिगश्त हेतु ट्रेकमेन्टेनर की ड्यूटी लगाई गयी है जिससे सर्दी में होने वाले रेललाइन फैक्चर की तुरंत सूचना मिल सके। इससे खतरे की स्थिति को टाला जा सकता है। ट्रैक मेंटेनर को डेटोनेटर उपलब्ध कराए गये हैं, इन डेटोनेटर को ट्रैकमेंटेनर रेललाइन फैक्चर होने पर गाड़ी आने की दिशा में एक निश्चित दूरी पर रेललाइन पर फिट किया जाता है। जब इंजन के पहिए इस डेटोनेटर के ऊपर से गुजरते हैं, तो डेटोनेटर तेज आवाज पैदा करता है। लोको पायलट इस आवाज को सुनकर गाड़ी की गति को नियंत्रित करते हुए खतरे के स्थान से पहले ही गाड़ी रोक देता है। इस प्रकार खतरे को टाला जाता है। इसके साथ ही लोको पायलट को आने वाले स्टेशन के होम सिग्नल की सूचना देने के लिए प्रत्येक स्टेशन पर पॉइंट्समैन को डेटोनेटर दिए जाते हैं, जिन्हें पॉइंट्समैन होम सिग्नल से गाड़ी आने की दिशा में निश्चित दूरी पर रेल पटरी पर फिट करता है, जिससे इंजन के व्हील गुजरते हैं, तो इंजन के भारी दबाव के कारण डेटोनेटर तेज आवाज के साथ फट जाता है, इस तेज आवाज को सुनकर लोको पायलट समझ जाता है, कि आगे सिग्नल आने वाला है और वह गाड़ी की गति को नियंत्रित कर सिग्नल को सुरक्षित पार करता है।

डीआरएम बीकानेर डॉ आशीष कुमार की ओर से सर्दियों में कोहरे से उत्पन्न या सर्दी के मौसम से उत्पन्न समस्याओं से निपटने के लिए समय-समय पर महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है। जो रेल यात्रियों की सुरक्षित यात्रा की दिशा में कारगर कदम है। उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत अनेकों रेलवे स्टेशन का कायाकल्प किया जा रहा है। जिसके पूरा होने के बाद यात्रियों को और अधिक सुविधाएं मिलेगीं।

# सट्टा, नशा और अपराध करने वालों पर की जाएगी कड़ी कार्यवाही : नरेश कुमार

**समाचार गेट/अनिल मोहनियां**

**नूंह।** सट्टा नशा और अपराध करने वालो पर की जाऐगी कड़ी कार्यवाही नरेश कुमार नवनियुक्त सिटी थाना प्रबन्धक नूंह ने चर्चा के दौरान कहा उन्होंने बताया कि नूंह शहर में सट्टा नशा और अपराध बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा उसके लिए सिटी पुलिस नूंह विशेष अभियान चलाकर तथा शहर के लोगों को व शहर के साथ लगते हुए गांव खेडला और नांगली के लोगों को जागरुक कर नशे और सटटे पर लगाम लगाएगी जिसे लेकर उन्होंने गांव खेडला को नशा मुक्ति करने के लिए ग्राम खेडला की एक चौपाल पर गांव के मौजूद लोगों के साथ चर्चा की इस चर्चा में खेडला गांव के करीबन 300 व्यक्तियों ने हिस्सा लिया इस मौके पर सिटी थाना प्रभारी नरेश कुमार ने बताया की पुलिस का कार्य सेवा सुरक्षा और सहयोग का है पुलिस आपके लिए हर वक्त तैयार है उच्च अधिकारियों के निर्देशानुसार मेवात में बढ़ते हुए नशे पर लगाम कसना पुलिस की प्राथमिकता है जिसके लिए हमें आप सबका सहयोग अनिवार्य है इसी सहयोग के लिए मैं आपके गांव खेडला में आया हूं और आप मुझे बताएं की गांव में किस प्रकार का अपराध हो रहा है किस प्रकार का नशा व सट्टा चल रहा है यह सूचना आप मुझे गुप्त रूप

से दे सकते हैं तथा सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा साथ ही सटटा व नशा करने वालों व चोरों व अपराधियों पर कड़ी कानूनी कार्यवाही अमल मे लाई जाऐगी।

इस मौके पर गांव की सभा को संबोधित करते हुए अशोक कुमार सहायक उपनिरीक्षक ने बताए कि नशा हमारे नवयुवको के जीवन को खराब कर रहा है उनकी दिशा और दशा को बिगाड़ रहा है। नवयुवको भटका कर गर्त की ओर ले जा रहा हैं हमारा युवा आज जाने अनजाने में या शौक मे भी नशे कर लेते है और फिर उन को नशे की लत लग जाती हैं क्योंकि अपराध वह नशे की हालत में करता है और ना चाहते हुए भी अपराधी बन जाता है जिसके लिए हम अपने बच्चों को नशे से दूर रखना हैं नशा कई प्रकार का होता है जैसे बीड़ी का नशा सिगरेट नशा, शराब का नशा और जहां तक कि आजकल मेवात में प्रचलित इंजेक्शन और दवाइयों का नशा फैलता जा रहा हैं। हमें आप के सहयोग से इस नशे पर लगाम लगानी है जिसके लिए समाज का सहयोग अनिवार्य है। इस मौके पर ग्राम खेड़ला के पूर्व सरपंच मकबूल और गांव के लोगों ने बताया कि हमारे गांव में मुख्य रूप से नशा पैर प्रसार चुका है गांव में जगह.जगह नशा बिक रहा है जिससे आने वाली युवा पीढ़ी खराब हो रही है और हमारी नस्ल खराब हो रही है जिसे लेकर गांव में चोरी व अन्य अपराध बढ रहे है।

इस मौके पर गांव के लोगों से सिटी थाना प्रबंधक ने अपील कि वे एक कमेटी बनाकर गांव में हो रहे नशे की जानकारी की पुष्टि कर मुझे प्रदान करें मैं उनके विरुद्ध नियमानुसार उचित और सख्त कार्रवाई करने के लिए तैयार हूं साथ ही गांव के लोगों ने गांव में हो रहे अन्य अपराधों के बारे में भी सिटी थाना प्रभारी को अवगत कराया इस मौके पर सिटी थाना प्रभारी ने उन्हें यह विश्वास दिलाया कि पुलिस आपके साथ है और सही नियम अनुसार कार्रवाई करने के लिए हर समय तैयार है इस मौके पर गांव के मौजूद लोग उपस्थित रहे।

# पुलिस टीम ने खेडी में छापेमारी कर कार सवार दो युवकों से स्मैक बरामद की

**समाचार गेट/सुनील दीक्षित**

**कनीना।** कनीना सदर थाना पुलिस टीम ने खेडी तलवाना गांव में छापेमारी कर दो युवकों से नशीला पदार्थ स्मैक बरामद करने में सफलता हासिल की है। थाना इंचार्ज निरीक्षक मुकेश कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के दिशा निर्देशन में नशे पर अंकुश लगाने की दिशा में लगातार प्रयास किये जा रहे हैं।

इसी कडी में गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने खेडी गांव में जोहड के समीप छापेमारी की। जहां एक सफेद रंग की कार में दो युवक बैठे हुए थे। उन युवकों से पूछताछ की संदेह होने पर युवकों को नोटिस जारी किए गए। सूचना मिलने पर ड्यूटी मैजिस्टेट ईटीओ डॉ विक्रांत यादव मौके पर पंहुचे। पुलिस ने कागजी कार्रवाई पूरी कर दोनों युवकों की तलाशी ली। चालक सीट पर बैठे युवक सुधीर की जेब में माचिस की डिब्बी मिली जिसकी जांच की तो उसमें स्मैक मिला। दूसरे युवक सचिन की तलाशी ली गई जिससे स्मैक बरामद हुआ। उनका वजन किया तो 1 ग्राम 6 मिलीग्राम मिला। आरोपी युवकों की पहचान सुधीर वासी नागंल हरनाथ व उसके साथी सचिन के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों युवकों के विरूध एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

# 22 दिन बाद भी नहीं हो सका बागोत के युवक का अंतिम संस्कार

**समाचार गेट/सुनील दीक्षित**

**कनीना।** वर्ष 2024 के अंत में फांसी लगाकर आत्म हत्या करने वाले युवक के शव अंतिम संस्कार दूसरे वर्ष 2025 में प्रवेश करने पर नहीं हो सका। विदित रहे कि कनीना खंड के गांव बागोत में 26 वर्षीय युवक द्वारा 13 दिसंबर 2024 को फांसी लगाकर आत्म हत्या की थी। 14 दिसबंर को पुलिस ने युवक का पोस्टमार्टम करवा दिया था। 4 जनवरी 2025 तक युवक को शव का अंतिम संस्कार नहीं किया जा सका। पिछले 22 दिन से शव एसडीएच कनीना के फ्रीजर में रखा हुआ है। उत्पन्न हुए मौजूदा हालात के मद्देनजर मृतक के परिजन तथा प्रशासनिक अधिकारी असमंजस में हैं। मृतक के पिता कैलाशचंद 8 व्यक्तियों के विरूध कार्रवाई की मांग पर अडे हुए हैं। उनका कहना है कि सरकार व प्रशासन से न्याय नहीं मिला तो वे भी सुसाईड कर सकते हैं। उनके हस्तलिखित पत्र में पूर्व मंत्री सहित 8 व्यक्तियों के अलावा कुछ प्रशासनिक अधिकारियों के नाम भी अंकित हैं। जबकि प्रशासनिक अधिकारियों व गांव के मोजिजान लोगों तथा रिश्तेदारों द्वारा मृतक के पिता कैलाशचंद को शव का अंतिम संस्कार करने के लिए समझाने के काफी प्रयास किए जा चुके हैं। लेकिन अभी तक गतिरोध बना हुआ है।

# केमला के हनुमान मंदिर में आयोजित भंडारे में श्रधालुओं को प्रसाद वितरित

**समाचार गेट/सुनील दीक्षित**

**कनीना।** कनीना उपमंडल के गांव केमला स्थित हनुमान मंदिर में नव वर्ष के उपलक्ष में शनिवार को 14वें भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें श्रधालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। नम्बरदार धर्मपाल सिंह ने बताया कि धनौंदा मार्ग पर स्थित मंदिर प्रांगण में 3 जनवरी की रात्री को जागरण किया गया जिसमें धार्मिक भजनों की प्रस्तुती दी गई। 4 जनवरी को सुबह 9 बजे हवन किया गया जिसमें ग्रामीणों ने आहुति डाली। हवन के बाद साढे दस बजे भंडारा प्रारंभ किया गया। जिसमें श्रधालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

# शिविर के चौथे दिन एनएसएस के छात्रों ने की विद्यालय प्रांगण की सफाई

**समाचार गेट/सुनील दीक्षित**

**कनीना।** एसडी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ककराला में जारी सात दिवसीय एनएसएस शिविर के चौथे दिन शनिवार को स्वयंसेवकों ने विद्यालय प्रांगण में साफ-सफाई की। इस दौरान स्वयंसेवकों ने श्रमदान के महत्व को जीवन में उतारते हुए विद्यालय के पेड़-पौधों की देखभाल का संकल्प लिया। शिविर में विद्यालय के चेयरमैन जगदेव यादव, प्राचार्य ओमप्रकाश, कार्यक्रम अधिकारी विनय यादव ने कहा कि परोपकार से बढकर कोई सेवा नहीं है। उन्होंने बताया कि सामूहिक उन्नति तभी हो सकती है जब हम सामूहिक रूप एवं नेक नीयत की भावना से कार्य करें।

# असहाय व निराश्रितों को आश्रय देने के लिए जिला के शहरी क्षेत्रों में संचालित किए जा रहे रैन बसेरे : उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा

**रैन बसेरों में गद्दे, कंबल के साथ-साथ बेहतर सुविधाएं कराई जा रही मुहैया**

**जिलावासियों से असहाय व निराश्रित व्यक्ति को नजदीकी रैन बसेरे में भेजकर परोपकारी कार्य करने का किया आह्वान।**

**समाचार गेट/अनिल मोहनियां**

**नूंह।** जिला में सर्दी के मौसम के दृष्टिगत असहायों व निराश्रितों को आश्रय दिलाने के उद्देश्य से उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा के निर्देशन में जिला प्रशासन की ओर से शहरी क्षेत्रों में रैन बसेरे बनाए गए हैं। इन रैन बसेरों को संचालित करने में विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि भी अपनी भूमिका अदा कर रहे हैं। रैन बसेरे स्थापित करने का मुख्य उद्देश्य यही है कि जिला में असहाय व निराश्रित लोगों को कड़ाके की ठंड में आश्रय प्रदान किया जा सके और रात्रि के समय कोई भी आमजन खुले आसमान के नीचे सोने को मजबूर न हो। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने निर्देश दिए कि इन जगहों पर खुले में सो रहे जरूरतमंद लोगों को अस्थाई रैन बसेरों में आश्रय दिलवाकर उनके लिए कंबल के साथ-साथ भोजन-पानी की व्यवस्था भी करवाई जाए। उपायुक्त ने बताया कि नूंह में रैन बसेरा बस अड्डा पर, फिरोजपुर-झिरका व पुन्हाना में नगरपालिका

कार्यालय के नजदीक तथा नगर परिषद नूंह, नगरपालिका फिरोजपुर-झिरका, पुन्हाना, तावडू में स्थापित किए गए हैं। जहां पर जरूरतमंद व्यक्ति आश्रम पा सकता है। जिला प्रशासन ठंड के मौसम में निराश्रितों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए कृतसंकल्प है। उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम में निराश्रितों को रैन बसेरों में आश्रय दिलाने के लिए बेहतर सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं। इसके लिए सामाजिक व धार्मिक संगठनों के लोग भी आगे आकर इनके लिए गद्दे, कंबल देने के साथ भोजन व चाय-पानी की व्यवस्था भी कर रहें है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने जिलावासियों से आह्वान किया है कि वे अपने आस-पास अगर कोई असहाय व निराश्रित व्यक्ति को देखें तो उन्हें नजदीकी रैन बसेरे में भेजकर परोपकारी कार्य करें।

# शिविर लगाकर वरिष्ठ नागरिकों तथा दिव्यांगजनों को वितरित किए गए जरूरी उपकरण

**समाचार गेट/सुनील दीक्षित**

**कनीना।** दिव्यांगजनों तथा वरिष्ठ नागरिकों को समाज की मुख्य धारा शामिल करने की दिशा में सामुहिक रूप से प्रयास किए जाने चाहिएं। ये बातें शनिवार को कनीना के राजकीय महाविद्यालय में आयोजित शिविर में दीपक वशिष्ठ ने कही।

इस शिविर में जिला रेड क्रॉस सोसाइटी एवं एलिम्को संगठन के सहयोग से दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों इलेक्ट्रिक साइकिल, व्हीलचेयर, कमर की बेल्ट, ग्रीवा कॉलर, घुटने के दर्द के गोठियां, कान की मशीन, चलने के वॉकर और बैंत आदि जरूरी उपकरण वितरित किए गए। जनशक्ति युवा संगठन के प्रधान दीपक वशिष्ठ ने बताया कि लाभार्थियों का पंजीकरण दिव्यांग प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड,परिवार पहचान पत्र के साथ पहले ही किया जा चुका था। बचे हुए पात्र नागरिकों के आवेदन शनिवार को भी लिए गए।

# धनौंदा में तीसरे दिन भी जारी रही फुटबॉल प्रतियोगिता

**समाचार गेट/सुनील दीक्षित**

**कनीना।** कनीना-दादरी मार्ग पर स्थित गांव धनौंदा में पिछले तीन दिन से जारी फुटबॉल प्रतियोगिता में खिलाडियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बाबा दयाल की 70वीं स्मृति में आयोजित इस प्रतियोगिता का दो जनवरी को शुभारंभ किया गया था।

शनिवार को एक पंचायती फुटबॉल प्रतियोगिता में टीमों में कडा मुकाबला रहा। मा सूरत सिंह ने बताया कि कनीना सब डिवीजन के गांव धनौंदा में आयोजित इस प्रतियोगिता में करीब 32 टीमें हिस्सा ले रही हैं। 4 दिवसीय इस फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन रविवार, 5 जनवरी को होगा। जिसमें विजेता टीमों को नकद राशि सहित शिल्ड प्रदान कर सम्मानित किया जायेगा।

# उप तहसील इंडरी के गांव में आज होगा रबी सीजन 2022 की फसल मुआवजे को दस्तावेज एकत्रित करने के लिए कैंप का आयोजन

**कैंप में 6 गांवों के किसानों से मुआवजा वितरण के लिए दस्तावेज किए जाएंगे एकत्रित**

**6 जनवरी को खलीलपुर गांव में लगाया जाएगा कैंप**

**समाचार गेट/अनिल मोहनियां**

**नूंह।** उप तहसीलदार इंडरी रवि कुमार ने बताया कि आज 5 जनवरी को रबी फसल 2022 मुआवज़ा वितरण प्रक्रिया के अंतर्गत किसानों से दस्तावेज़ एकत्रित करने के लिए मुआवज़ा कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। यह कैंप उप-तहसील इंडरी के 6 गांवों के लिए आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह कैंप सुबह 10:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक विभिन्न गांव में आयोजित किया जाएगा। कैंप का आयोजन गरजपुर, अलेटा, रिठोड़ा, बजडका, हसनपुर सोहना व कुतुबगढ़ गांव में किया जाएगा। इसके अतिरिक्त खलीलपुर गांव में 6 जनवरी को मुआवजा वितरण संबंधी किसानों से दस्तावेज जागृत करने के लिए कैंप का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुआवजा वितरण दस्तावेज एकत्रित करने के लिए गांव गरजपुर में पटवारी मोहम्मद साबिर की ड्यूटी लगाई गई है। गांव अलेटा में पटवारी ब्रिज किशोर की ड्यूटी लगाई गई है। गांव रिठोड़ा में पटवारी जितेंद्र कुमार की ड्यूटी लगाई गई है। गांव बजडका में पटवारी गौरव कपूर की ड्यूटी लगाई गई है। हसनपुर सोहना गांव में पटवारी सुरेंद्र कुमार व कुतुबगढ़ गांव में पटवारी सुमन रानी की ड्यूटी लगाई गई है। इसी प्रकार 6 जनवरी को लगने वाले कैंप में खलीलपुर गांव के लिए पटवारी सुरेंद्र कुमार की ड्यूटी लगाई गई है।

'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
समाचार गेट
को TITLE CODE : HARHIN11569
आवश्यकता है
♦ हरियाणा के प्रत्येक जिले में ब्यूरो चीफ
♦ उपमंडल व ब्लॉक स्तर पर संवाददाता
♦ ग्रामीण संवाददाता ♦ फोटोग्राफर
♦ विज्ञापन प्रतिनिधि
इच्छुक युवक-युवती अपना बायोडेटा मेल करें-
samachargate@gmail.com
Cont.: 9212339503

## क्या आप जानते हैं?

भारत का सबसे बड़ा हीरा ग्रेट मुगल जब 1650 में गोलकुंडा की खान से निकला तो इसका वजन 787 कैरेट था।

पहला ज्ञानपीठ पुरस्कार 1965 में मलयालम कवि गोविन्द शंकर कुरुप को दिया गया था।

घर घर में गाई जाने वाली आरती ओम जय जगदीश हरे के रचयिता पं. श्रद्धाराम शर्मा थे।

राजस्थान में सुंधा माता नामक एक ऐसा पर्वत है, जहां खंडित मूर्तियों को रखना पवित्र माना जाता है।

बाबर अपने समय की सामान्य रूप से बोली जाने वाली भाषा फारसी में प्रवीण था, पर उसकी मातृभाषा चागताई थी और उसने अपनी आत्मकथा बाबरनामा चागताई में ही लिखी।

याहू डॉट कॉम का नाम पहले जेरीज गॉइड टू वर्ल्ड वाइड वेब था अप्रैल 1994 में इसे बदल कर याहू डॉट कॉम कर दिया गया।

आलू की खेती में विश्व में तीसरा स्थान रखने वाला भारत 16वीं शती से पहले इसके विषय में जानता तक नहीं था।

नीदरलैंड के लोग दुनिया में सबसे ऊंचे होते हैं। यहां पुरुषों की औसत ऊंचाई पांच फुट साढ़े ग्यारह इंच है, लेकिन दक्षिणी नीदरलैंड में यह औसत एक इंच कम है।

यदि आप ध्वनि की गति से तेज चलने वाले विमान कांकॉर्ड में लंदन से न्यूयॉर्क के लिए चलें तो वहां उस समय से भी दो घंटे पहले पहुंच जाएंगे, जब आप चले थे।

विश्व में पक्षियों की 8650 प्रजातियां हैं, जिसमें से 1230 भारत में पाई जाती हैं।

सदाबहार पौधा बारूद जैसे विस्फोटक को पचाकर उन्हें निर्मल कर देता है।

कुम्हड़े की प्रजाति मैक्सिमा का वजन 34 किलोग्राम से भी अधिक होता है।

मुग़ल उद्यान, दिल्ली में अकेले गुलाब की ही 250 से अधिक प्रजातियां हैं।

पुरी के जगन्नाथ मंदिर में प्रतिदिन इतना प्रसाद बंटता है कि 500 रसोइए और 300 सहयोगी रोज काम करते हैं।

मध्यप्रदेश के सांवेर गांव में स्थित हनुमान जी का मंदिर उलटे हनुमान के नाम से प्रसिद्ध है। इसमें स्थापित मूर्ति का सिर नीचे और पैर ऊपर हैं।

कालिदास के गीतिकाव्य ऋतुसंहार के छह सर्गों में उत्तर भारत की छह ऋतुओं का विस्तृत वर्णन किया गया है।

बिच्छू की लगभग 2000 जातियां होती हैं, जो न्यूजीलैंड व अंटार्कटिक छोड़कर विश्व के सभी भागों में पाई जाती हैं।

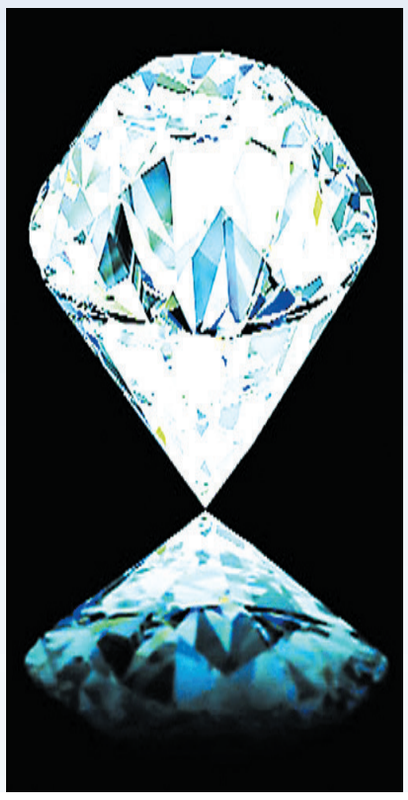

कहानी

# घर का हैप्पी बर्थडे

'हां घर को भी।' कहती हुई मम्मी जल्दी से किचन में चली गईं। थोड़ी देर में ही वहां से सूजी भूनने की खुशबू आने लगी। पापा ने फटाफट काजू काटे। इलायची पीसी। नारियल कद्दूकस किया। हलवा बनाने के बाद मम्मी ने उसे प्लेट में पलटकर कलछी से गोल केक जैसा बना दिया। फिर एक छोटी मोमबत्ती भी उस पर लगा दी।

रात हो गई थी। मम्मी ने कहा, 'अंतरिक्ष, चलो दूध पिओ।' फिर कुछ याद करते पापा से बोलीं, 'अरे, मैं तो भूल ही गई। आज हमें इस घर में आए पूरे तीन साल हो गए।'

छोटे से अंतरिक्ष ने पूछा, 'तीन साल, क्या?'

'तीन साल माने क्या?' मम्मी ने दोहराया। वह कुछ बोलतीं, उससे पहले ही पापा ने कहा, 'तीन साल मतलब, आज हमारा घर तीन साल का हो गया। जैसे तुम पिछले महीने पांच साल के हुए थे न।'

'तो आपने तो मेरा हैप्पी बर्थ डे मनाया था।'

'हां, हां बिल्कुल सही कहा। आज घर का हैप्पी बर्थडे है।' मम्मी खुश होते हुए बोलीं।

'तो उसका बर्थ डे केक कहां है। और उसके दोस्त क्यों नहीं आए।'

'अरे हां, घर का बर्थडे तो उसके दोस्त, आसपास के दूसरे घर ही मना सकते हैं। बुलाओ भाई, दूसरे घरों को बुलाओ। फिर जब उनका बर्थडे होगा तो हमारा घर भी चलकर वहां जाएगा।' पापा बोले और खूब हंसे।

'लेकिन अंतरिक्ष, हम और तुम भी तो घर के दोस्त हैं। हैं कि नहीं?' मम्मी ने उसका खाली किया कप सिंक में रखते पूछा।

'यस, घर इज माई फ्रेंड।' अंतरिक्ष बोला तो पापा बोले, 'चलो घर को हैप्पी बर्थडे विश करते हैं।'

'नहीं, पहले केक लाओ। उस पर कैंडल लगाओ और गुब्बारे भी।'

'हां भई, अगर घर का बर्थडे ठीक से नहीं मनाया तो घर बुरा मान जाएगा। नाराज हो जाएगा। मगर इस वक्त केक लाएं कहां से। दुकानें तो बंद हो गई होंगी और ऑन लाइन अगर ऑर्डर करें तो आएगा कब।' पापा ने कहा।

उनकी बात सुनकर मम्मी ने अंतरिक्ष से पूछा, 'अंतरिक्ष क्या हलवा केक से घर का हैप्पी बर्थ-डे मनाएं!'

'हलवा केक।'

'हां, खाकर देखना बहुत मजा आएगा।'

'घर को भी।' अंतरिक्ष ने अपनी फुटबॉल में एक किक मारते हुए कहा।

'हां घर को भी।' कहती हुई मम्मी जल्दी से किचन में चली गईं। थोड़ी देर में ही वहां से सूजी भूनने की खुशबू आने लगी। पापा ने फटाफट काजू काटे। इलायची पीसी। नारियल कद्दूकस किया। हलवा बनाने के बाद मम्मी ने उसे प्लेट में पलटकर कलछी से गोल केक जैसा बना दिया। फिर एक छोटी मोमबत्ती भी उस पर लगा दी।

यह देख अंतरिक्ष बोला, 'आप तो कह रही थीं, घर का थर्ड बर्थडे है।'

'तो कोई बात नहीं। दो कैंडल घर के अगले बर्थ डे पर लगा देंगे।' पापा की बात सुनकर अंतरिक्ष खुश हो गया। वह गाने लगा, 'हैप्पी बर्थ डे माई डियर होम। हैप्पी बर्थ डे टू यू।' पापा, मम्मी ने भी साथ दिया उसका। फिर अंतरिक्ष ने हलवा केक काटा और घर को खिलाने आगे बढ़ा। तो मम्मी ने उसे रोका, 'नो अंतरिक्ष, दीवार पर कुछ मत लगाओ। गंदी हो जाएगी।'

'तो फिर घर केक कैसे खाएगा।' अंतरिक्ष ने पूछा।

'कैसे खाएगा घर?' पापा ने मम्मी से पूछा।

'ऐसा करते हैं अंतरिक्ष, घर का एक सुंदर इलस्ट्रेशन बनाओ। उसी को खिला देंगे तो घर खा लेगा।' मम्मी ने उसे फुसलाया।

'नो, वह भूखा रहेगा। इलस्ट्रेशन कुछ नहीं खा सकता, पानी भी नहीं पी सकता, यह आपने ही तो बताया था उस दिन।'

मम्मी को याद आया कि एक दिन जब अंतरिक्ष ने चिड़िया बनाई थी और उसे पानी पिलाने की कोशिश कर रहा था तो उन्होंने ही कहा था कि चित्र कुछ नहीं खा-पी सकते।

'कोई बात नहीं, करने दो न उसे। दीवार को कल साफ कर देंगे।' पापा ने पास जाकर मम्मी को धीरे से समझाया तो मम्मी ने भी हां कर दी। अंतरिक्ष ने दीवार पर हलवा चिपकाया फिर पूछा, 'टेस्टी है न।' 'घर तो बताएगा ही पहले तुम खाकर बताओ।' मम्मी की बात सुनकर अंतरिक्ष ने खाया और हां में सिर हिलाया। फिर चम्मच से खाने लगा। वह बार-बार हलवा लगी दीवार को देखता जाता कि घर ने अभी हलवा खाया है कि नहीं।

मम्मी और पापा आज बहुत खुश भी हो रहे थे। घर के हैप्पी बर्थडे के बहाने उन्होंने अंतरिक्ष को हलवा खिला दिया था। उसे हलवा बिल्कुल पसंद नहीं था। हो सकता है कि हलवे को हलवा केक कहने से वह आगे भी खाने लगे।

उस रात सोते हुए भी अंतरिक्ष मुस्करा रहा था, जैसे सपने में भी वह अपने घर से बातचीत कर रहा हो। उसका जन्मदिन मना रहा हो। दूर बैठे दादा-दादी ने जब घर के जन्मदिन मनाने के वीडियो को देखा तो वे बहुत खुश हुए। अगले दिन जब अंतरिक्ष सोकर उठा तो दौड़ते हुए मम्मी के पास गया, 'मम्मा देखो, घर ने हलवा केक खा लिया।' उसने दीवार की तरफ इशारा किया। वहां हलवे का नामोनिशान नहीं था। अंतरिक्ष को नहीं पता था कि उसके सो जाने के बाद पापा ने दीवार साफ जो कर दी थी।

## गुब्बारों के बारे में मजेदार बातें

गुब्बारे का अविष्कार साल 1824 में महान वैज्ञानिक प्रोफेसर माइकल फैराडे ने किया था।

ज्यादातर पार्टी में इस्तेमाल होने वाले गुब्बारे रबड़ के पेड़ों से मिलने वाले लेक्स से बनते हैं। इनमें सामान्य हवा या हीलियम जैसी कोई गैस भरी जाती है।

लेटेक्स से बने गुब्बारे पूरी तरह से ईको फ्रेंडली होते हैं। इन्हें बनाने के लिए पेड़ों को काटा नहीं जाता। लेटेक्स को पेड़ के तने से इकट्ठा किया जाता है। इससे पेड़ को कोई नुकसान नहीं होता। रबड़ के पेड़ आम तौर पर वर्षा वनों में उगते हैं। रबड़ का एक पेड़ तकरीबन 40 साल तक लेटेक्स का उत्पादन कर सकता है।

एक बार हवा भरकर फुलाए जाने के बाद गुब्बारे अपना वास्तविक आकार एक हफ्ते तक बनाए रख सकते हैं।

गुब्बारा अचानक फटने पर उसकी तेज आवाज से डरने वाले तुम अकेले नहीं हो। इससे ज्यादातर लोग डरते हैं। जैसे ही गुब्बारे में कोई छेद होता है, वैसे ही उसके अंदर भरी हवा एक झटके के साथ बाहर यानी कम दबाव वाले क्षेत्र की तरफ निकलती है, जिससे यह आवाज आती है। हीलियम से बने गुब्बारे हवा में तैरते हैं, क्योंकि हीलियम हवा से कहीं ज्यादा हल्की होती है।

## कुत्ते की तरह भौंकती है यह गिलहरी

प्रैरी डॉग

तुम सोच रहे होगे कि दिखने में तो यह गिलहरी जैसी है, फिर इसका नाम प्रैरी डॉग क्यों है? वो इसलिए, क्योंकि प्रैरी डॉग कुत्ते की तरह भौंक सकते हैं। किसी खतरे का अंदेशा होने पर ये भौंकना शुरू कर देते हैं, जिससे उनके दूसरे साथी सतर्क हो जाते हैं। उत्तरी अमेरिका के घास के मौदानों के नीचे सुरंग बनाकर रहने वाले इन जीवों को पारिवारिक जीव कहना गलत नहीं होगा। जानते हो क्यों.क्योंकि प्रैरी डॉग समूह में रहते हैं, एक दूसरे के साथ खाना बांटकर खाते हैं, एक दूसरे की साफ-सफाई करते हैं और जब एक-दूसरे से मिलते हैं तो नाक से नाक मिलाकर एक दूसरे का अभिवादन करते हैं, जैसे तुम अपने दोस्तों से मिलने पर हैंडशेक करते हो, बिल्कुल वैसे ही।

हमिंग बर्ड

यह दुनिया का सबसे छोटा पक्षी है। 25 से 3 इंच की लम्बाई वाले इस पक्षी की दुनिया में लगभग 328 प्रजातियां हैं। हमिंग बर्ड दुनिया में इकलौता ऐसा पक्षी है, जो सीधी-उल्टी, दाएं-बाएं किसी भी दिशा में उड़ सकता है। एक सेकंड में 100 बार अपने पंख फड़फड़ाने वाली यह पक्षी 25-30 मील प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ सकता है। ये अपनी जिंदगी का 15 फीसदी समय खाना खाने में बिताते हैं और एक दिन में करीब 1000-1500 फूलों का रस पीते हैं।

नेकेड मोल रैट

यह पूर्वी अफ्रीका के मरुस्थल में जमीन के नीचे रहने वाला एक जीव है, जिसे मरुस्थलीय पपी भी कहते हैं, जो देखने में चूहे या छछूंदर की तरह होता है। नेकेड मोल रैट की खास बात यह है कि इसकी आंखों की रोशनी बहुत कम होती है, फिर भी यह रात के अंधेरे में जितनी तेजी से सीधी दिशा में दौड़ सकता है, उतनी ही तेजी से उलटी दिशा में भी दौड़ सकता है।

लायरबर्ड

तुम्हें भी किसी चीज की आवाज की नकल उतारना पसंद होगा, पर कोई और भी है, जिसे ऐसा करना पसंद है। वह है ऑस्ट्रेलिया की लायरबर्ड। यह पक्षी की एक ऐसी प्रजाति है, जो आवाजों की मिमिक्री करती है। यह अन्य पक्षियों के गाने की आवाजों के साथ-साथ कैमरे के शटर, वाद्य यंत्र, कार का अलार्म, खिलौने वाली बंदूक की आवाजों के अलावा निर्माण कार्य में इस्तेमाल होने वाले औजारों की आवाज की भी हूबहू नकल उतार सकती है।

बैसलिस्क लिजर्ड

बैसलिस्क अमेरिका में पायी जाने वाली छिपकली/गिरगिट की एक प्रजाति है। लम्बी पूंछ व पीठ पर उभरी हुई जिगजैग किनारी वाली इस लिजर्ड की खासियत है कि यह पानी पर चलती है। खतरे से बचने के लिए यह लिजर्ड अपने पिछले पैरों व पूंछ की सहायता से पानी के ऊपर लगभग 5 फुट प्रति सेकंड की रफ्तार से दौड़ सकती है। और शायद इसीलिए ही इसे 'जीसस क्राइस्ट लिजर्ड' भी कहते हैं। लगभग 15 से 20 फुट तक पानी के ऊपर चलने की क्षमता रखने वाली यह बैसलिस्क लिजर्ड करीब 30 मिनट तक लगातार पानी के अंदर भी रह सकती है। है न यह एक कमाल की छिपकली!

हिसिंग कॉक्रोच

तुमने सांप के अलावा किसी कीड़े को हिस्स की आवाज निकालते हुए सुना है? मेडागास्कर में कॉक्रोच की एक ऐसी प्रजाति रहती है, जो डंक नहीं मारती, बल्कि हिस्स करती है, इसलिए इन्हें हिसिंग कॉक्रोच कहते हैं। यह कॉक्रोच की सबसे लम्बी प्रजाति है। लगभग 2 से 4 इंच तक लम्बे इन कॉक्रोच के पंख नहीं होते। वर्षा वनों में पोषक तत्वों की पुनरावृत्ति के लिए ये उपयोगी माने जाते हैं।

# क्या आप भी सर्दी में ठंडे पानी से नहाते हैं?

सर्दी का मौसम आते ही लोग अपने दिनचर्या में बदलाव करते हैं। रजाई में लिपटकर सोना, गर्म कपड़े पहनना और गर्म पानी से नहाना आदत बन जाती है। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो सर्दी में भी ठंडे पानी से नहाना पसंद करते हैं, यह सोचकर कि इससे शरीर में ताजगी और ऊर्जा बनी रहती है। हालांकि, हेल्थ एक्सपर्ट्स का मानना है कि सर्दियों में ठंडे पानी से नहाना सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है, और यह हार्ट अटैक जैसे गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकता है।

ठंडे पानी से नहाने से दिल पर असर

ठंड के मौसम में जब तापमान गिरता है, तो शरीर को गर्म रखने के लिए दिल को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। ठंड के प्रभाव में रक्त वाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं, जिससे शरीर में रक्त प्रवाह कम हो जाता है और दिल को ऑक्सीजन की आपूर्ति भी कम हो जाती है। अगर किसी व्यक्ति की धमनियां पहले से संकरी हैं, तो ठंड के कारण वे और ज्यादा सिकुड़ सकती हैं, जिससे रक्त प्रवाह और भी धीमा हो जाता है। इस स्थिति में हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है।

क्यों बढ़ जाता है सर्दियों में हार्ट अटैक का खतरा?

एक अध्ययन के मुताबिक, सर्दी के मौसम में हार्ट अटैक का खतरा 31त्न बढ़ जाता है। इसका कारण यह है कि ठंड में शरीर को गर्म रखने के लिए दिल को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। यह समस्या खासतौर पर उन लोगों के लिए ज्यादा जोखिम भरी हो सकती है, जो पहले से ही किसी दिल की बीमारी से पीड़ित हैं। ठंड में जब शरीर पर ठंडा पानी अचानक पड़ता है, तो रक्त वाहिकाएं और धमनियां सिकुड़ने लगती हैं, जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है।

ठंडे पानी से नहाने का प्रभाव

ठंडे पानी से नहाने से शरीर पर कई तरह के प्रभाव हो सकते हैं

ब्लड प्रेशर में वृद्धि- ठंडे पानी से नहाने से रक्त वाहिकाएं संकुचित हो जाती हैं, जिससे रक्त प्रवाह धीमा हो जाता है और ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है।

दिल पर अतिरिक्त दबाव- जब रक्त वाहिकाएं सिकुड़ती हैं, तो दिल को रक्त पंप करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है, जिससे दिल पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है।

हार्ट अटैक का खतरा- अगर धमनियों में पहले से ही कोई रुकावट या संकुचन है, तो ठंडे पानी से नहाने पर वे और ज्यादा सिकुड़ सकती हैं, जिससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ सकता है।

ब्रेन स्ट्रोक- अगर रक्त प्रवाह मस्तिष्क तक सही से नहीं पहुंचता, तो ब्रेन स्ट्रोक की समस्या भी हो सकती है।

किसे बचना चाहिए ठंडे पानी से नहाने से?

हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि ठंडे पानी से नहाना उन लोगों के लिए खतरनाक हो सकता है, जो पहले से किसी दिल की बीमारी, हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज या ब्रेन स्ट्रोक जैसी समस्या से जूझ रहे हैं। ऐसे लोगों को ठंडे पानी से नहाने से बचना चाहिए। इसके अलावा, बुजुर्गों और बच्चों को भी ठंडे पानी से नहाने से दूर रहना चाहिए, क्योंकि उनकी शरीर की सुरक्षा प्रणाली उतनी मजबूत नहीं होती।

क्या करें, ताकि सेहत बनी रहे?

गर्म पानी से नहाना- सर्दी में हमेशा गर्म पानी से ही नहाएं, इससे शरीर को आराम मिलेगा और दिल पर दबाव नहीं पड़ेगा।

मध्यम तापमान बनाए रखें- अगर ठंडे पानी से नहाना पसंद है, तो पानी का तापमान थोड़ा सा ठंडा न रखें, बल्कि गर्मी और ठंडे पानी का संतुलन बनाकर

नहाएं। स्वस्थ आहार और व्यायाम- ठंड में शरीर को गर्म रखने के लिए स्वस्थ आहार लें और नियमित व्यायाम करें। यह दिल को स्वस्थ रखने में मदद करेगा।

सर्दी में ठंडे पानी से नहाना ताजगी का अहसास जरूर कराता है, लेकिन यह शरीर पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है, खासकर दिल पर। ठंडे पानी से नहाने से रक्त वाहिकाओं के सिकुड़ने और ब्लड प्रेशर के बढ़ने का खतरा होता है, जो हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक का कारण बन सकता है। इसलिए, सर्दी में अपनी सेहत का ध्यान रखते हुए ठंडे पानी से नहाने से बचना चाहिए, खासकर अगर आपको दिल की बीमारी, हाई ब्लड प्रेशर या अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हैं।

## सेना का ट्रक खाई में गिरने से 04 जवान शहीद, 2 गंभीर रूप से घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में शनिवार दोपहर हुए एक बड़े सड़क हादसे में सेना के 04 जवान शहीद हो गए। भारतीय सेना का एक ट्रक सड़क से फिसलकर खाई में जा गिरा, जिसमें 04 जवान शहीद हो गए, जबकि 02 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा बांदीपोरा जिले के एसके पायीन इलाके में हुआ। अधिकारियों के अनुसार, खराब मौसम और कम विजिबिलिटी के कारण ट्रक सड़क से फिसलकर खाई में गिर गया। घटना के समय ट्रक में कुल छह जवान सवार थे। सेना ने हादसे पर बयान जारी करते हुए कहा है, कि यह घटना अत्याधिक खराब मौसम और कम दृश्यता के कारण घटित हुई है। भारतीय सेना ने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। सेना के अधिकारियों ने बताया कि हादसे की विस्तृत जांच की जा रही है। इसके साथ ही घायलों का बेहतर इलाज किया जा रहा है। इस हादसे से पूरे क्षेत्र में शोक व्याप्त है।

### उपराज्यपाल ने जताया शोक

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। एलजी ने कहा, कि भारतीय सेना के बहादुर जवानों की शहादत पर गहरा दुख है। राष्ट्र उनके बलिदान और सेवा को हमेशा याद रखेगा।

## गोरखपुर में दो छात्रों ने वेबसाइट हैक कर बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी

गोरखपुर। गोरखपुर के बीबीए की तैयारी करने वाले दो छात्रों ने क्रीन ऋूज की वेबसाइट हैक कर बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी की। आरोपितों में राजन साहनी और शिवम निषाद शामिल हैं। इन दोनों ने ऋूज के टिकटों को एक रुपये में बुककर, 31 दिसंबर को पार्टी की थी। पुलिस और एसटीएफ ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, शिवम और राजन ने एप का इस्तेमाल कर वेबसाइट हैक कर उसके द्वारा टिकट बुक किए। पहले, 27 दिसंबर को राजन ने एक टिकट बुक किया था, इसके बाद शिवम ने फिर से 31 दिसंबर को चार टिकट बुक किए, जिसकी कुल कीमत 12 हजार रुपये थी। धोखाधड़ी का खुलासा तब हुआ जब साफ्टवेयर मैनेजर ने ऋूज के खातों की जांच की। तब पता चला कि वेबसाइट में भुगतान सफल दिखने के बावजूद, सिर्फ एक रुपये ही खाते में जमा हुए थे। जांच में शिवम के पास से लैपटॉप और महंगे मोबाइल बरामद हुए, जो कि शिवम ने धोखाधड़ी से कमाए गए पैसों से खरीदा था।

## एक बार फिर कच्छ में जमीन थर्राई, भूकंप से किसी प्रकार का नुकसान नहीं

कच्छ। फिर एक बार कच्छ जिले में भूकंप का झटका महसूस किया गया है। कच्छ के दुधई इलाके में 3.8 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। भूकंप का केंद्र दुधई से 28 किमी दूर बताया गया है। भूकंप शाम 4:37 बजे महसूस किया गया। राहत बात है कि भूकंप के झटके से किसी प्रकार के नुकसान की खबर नहीं है। इससे पहले नए साल के पहले दिन कच्छ में 3.2 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें कोई नुकसान नहीं हुआ था। 1 जनवरी 2025 को भूकंप सुबह 10.24 बजे दर्ज किया गया, जिसका केंद्र भचाऊ से 23 किमी उत्तर-उत्तर पूर्व में स्थित था।

## पेरिया दोहरे हत्याकांड मामले में 10 लोगों को आजीवन कारावास

कोच्चि। सीबीआई अदालत ने पेरिया में पांच साल पहले युवा कांग्रेस के दो कार्यकर्ताओं की हत्या मामले में 10 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। वहीं, मामले में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के एक पूर्व विधायक सहित चार अन्य लोगों को 5-5 साल जेल की सजा सुनाई। घटना कासरगोड जिले में पांच साल पहले हुई थी। अदालत ने बीते शनिवार को 14 आरोपियों को दोषी ठहराया था। इसमें 10 दोषियों को हत्या और आपराधिक साजिश के दो मामलों में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। दोनों मामलों में उनकी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। इन 10 दोषियों पर हत्या और आपराधिक साजिश का आरोप लगा था। अदालत ने प्रत्येक दोषी पर दो-दो लाख का जुर्माना भी ठोंका है। यह मामला 17 फरवरी, 2019 को कथित तौर पर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा युवा कांग्रेस कार्यकर्ता कृपेश (19) और सरत लाल पी.के. (24) की हत्या करने से संबंधित है। एर्नाकुलम से कांग्रेस सांसद हिबी ईडन ने पेरिया दोहरे हत्याकांड मामले में सीबीआई अदालत के फैसले की सराहना की। वहीं पीड़ित परिवारों की नाराजगी को भी स्वीकार किया। कांग्रेस सांसद ने कहा, एर्नाकुलम सीबीआई अदालत ने पेरिया दोहरे हत्याकांड मामले में सबसे महत्वपूर्ण फैसला सुनाया गया, जहां दो युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की सीपीआईएम द्वारा और सरकार की मदद से हत्या कर दी गई थी। हम उस सजा का स्वागत करते हैं, जिसमें 10 मुख्य दोषियों को दोहरे आजीवन कारावास की सजा दी गई है।

## बेंगलुरु की कोर्ट से निकिता, निशा और अनुराग सिंघानिया को राहत, मिली जमानत

नई दिल्ली। बेंगलुरु के सिटी सिविल कोर्ट ने निकिता सिंघानिया (पत्नी), निशा सिंघानिया (सास) और अनुराग सिंघानिया (जीजा) को जमानत दे दी। सिंघानिया ने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी और अंतरिम जमानत की मांग की थी। उसके वकील ने अदालत को बताया था कि उसकी गिरफ्तारी अवैध थी और पुलिस ने गिरफ्तारी के लिए कोई आधार नहीं दिया था। वकील ने अदालत से सिंघानिया को अंतरिम जमानत देने का आग्रह किया ताकि वह उच्चतम न्यायालय में अपना बचाव कर सकें। अतुल सुभाष की मां ने सुप्रीम कोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की है। सिंघानिया के वकील ने तर्क दिया कि जमानत के बिना, वह कार्यवाही में शामिल नहीं हो सकेंगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि उस मामले में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका एक हिरासत लड़ाई के बराबर होगी जिसे उसकी अनुपस्थिति में अस्वीकार कर दिया जाएगा।

# आईआईएम मुंबई ने जीता प्रतिष्ठित लीप्स-2024 पुरस्कार

### -शिक्षा और कौशल विकास श्रेणी के 34 प्रतिभागियों में आईआईएम मुंबई रहा अव्वल

**नई दिल्ली (एजेंसी)**। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) मुंबई ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए लॉजिस्टिक्स सेक्टर श्रेणी में इंस्टीट्यूशन-एजुकेशन और स्किल डेवलपमेंट का लीप्स 2024 (लीप्स-2024) पुरस्कार प्राप्त करने का गौरव हासिल किया है। इस तरह संस्थान ने 34 प्रतिष्ठित प्रतिभागियों में प्रथम स्थान प्राप्त कर लॉजिस्टिक्स शिक्षा और कौशल विकास में अपने नेतृत्व को और मजबूती से प्रस्तुत किया है। यह पुरस्कार केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण तथा कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल द्वारा प्रोफेसर मनोज कुमार तिवारी को प्रदान किया गया।

गौरतलब है कि लीप्स 2024 यानि लॉजिस्टिक्स एक्सीलेंस, एडवांसमेंट एंड परफॉरमेंस शील्ड की यह पहल लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम के भीतर असाधारण योगदान और इनोवेशंस को सम्मान देती है, जिसमें एमएसएमई, स्टार्टअप और प्रमुख सक्षमकर्ता शामिल हैं जो बदलाव करने वाले कार्यों और महत्वपूर्ण प्रभाव का प्रदर्शन करते हैं।

पुरस्कार के साथ, बहुप्रतीक्षित लॉजिस्टिक्स ईज एक्रॉस डिफरेंट स्टेट्स रिपोर्ट 2024 का भी अनावरण किया जाना है। राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति, 2022 के तहत डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड (डीपीआईआईटी) द्वारा किया जाने वाला यह वार्षिक मूल्यांकन पूरे भारत में लॉजिस्टिक्स परफॉर्मेंस को बढ़ाने के लिए एक रणनीतिक रोडमैप प्रदान करता है।

इस घोषणा से बेहद उत्साहित, आईआईएम मुंबई के निदेशक प्रोफेसर मनोज कुमार तिवारी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा, यह सम्मान भारत के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के लिए मैनेजमेंट की शिक्षा और कौशल विकास में उत्कृष्टता लाने के लिए हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हम भारत सरकार और गवर्निंग बॉडीज के प्रति उनके निरंतर समर्थन और हमारे दृष्टिकोण में विश्वास रखने के लिए बहुत आभारी हैं। जैसे-जैसे लॉजिस्टिक्स भारत की आर्थिक प्रगति के लिए महत्वपूर्ण होता जा रहा है, आईआईएम मुंबई भविष्य के लिए तैयार वर्कफोर्स को सशक्त बनाने के लिए डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, स्थिरता और क्षमता निर्माण जैसे उभरते ट्रेंड्स के साथ अपने प्रयासों को संरेखित करने के लिए समर्पित है।

ऑलकार्गो ग्रुप के संस्थापक और चेयरमैन तथा आईआईएम मुंबई बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष शशि किरण शेट्टी भारत के लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन इंडस्ट्री को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। पिछले तीन दशकों में, उन्होंने पुराने बंदरगाहों के बुनियादी ढांचे और वेयरहाउसिंग सिस्टम को आधुनिक, प्रौद्योगिकी-संचालित सल्यूशंस बदले जाने का नेतृत्व किया है, जिससे भारत वैश्विक व्यापार में एक प्रतिस्पर्धी देश बन गया है।

जब से श्री शेट्टी ने आईआईएम मुंबई बोर्ड के अध्यक्ष की भूमिका संभाली है, तब से संस्थान ने लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन मैनेजमेंट में इनोवेशन के ड्राइवर्स के रूप में शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने में बहुत अधिक गति प्राप्त की है, क्योंकि वे संस्थानों को आधुनिक, तकनीक-सक्षम प्रथाओं, प्रतिभा को बढ़ावा देने और इंडस्ट्री कोलैबरेशन के केंद्र के रूप में हैं। श्री शशि किरण शेट्टी के इस दृष्टिकोण का उद्देश्य टिकाऊ और कुशल समाधानों को आगे बढ़ाते हुए ग्लोबल लॉजिस्टिक्स हब के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करना है।

पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के लिए नोडल एजेंसी के रूप में आईआईएम मुंबई की महत्वपूर्ण भूमिका और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति को आकार देने में इसकी सक्रिय भागीदारी भारत के लॉजिस्टिक्स और बुनियादी ढांचे के परिदृश्य में इसके अद्वितीय योगदान को रेखांकित करती है।

आईआईएम मुंबई को मिला यह सम्मान न केवल प्रबंधन शिक्षा और इनोवेशन में उत्कृष्टता के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को पुष्ट करता है, बल्कि इसे भारत के लॉजिस्टिक्स क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रमुखता दिलाने में अग्रणी के रूप में भी स्थापित करता है।

### आईआईएम मुंबई के बारे में

भारत सरकार द्वारा देश की आर्थिक राजधानी में 1963 में स्थापित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट मुंबई (आईआईएम मुंबई) का लगातार भारत के शीर्ष बी-स्कूलों में शुमार रहा है। विभिन्न कार्यक्रमों में लगभग 1,200 छात्रों के साथ, आईआईएम मुंबई देश में प्रबंधन शिक्षा में अग्रणी है और पूरे भारत में प्रबंधन संस्थानों में 2024 के लिए नेशनल इंस्टीट्यूशन रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में 6वें स्थान पर है। आईआईएम मुंबई ऑपरेशंस मैनेजमेंट, सप्लाई चेन मैनेजमेंट, अनालिटिक्स, फाइनेंस, मार्केटिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, एचआर, इंफॉर्मेशन टेक्नालॉजी और सस्टेनेबिलिटी मैनेजमेंट जैसे विविध कार्यात्मक क्षेत्रों में कुशल प्रोफेशनल्स को तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

## जदयू के पोस्टर से गायब पीएम मोदी, क्या फिर खेला करने को तैयार नीतीश बाबू

गोपालगंज। बिहार के गोपालगंज में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा के दौरान एक पोस्टर ने सियासी बवाल मच गया है। सीएम नीतीश कुमार ने जिले में आईटीआई का उद्घाटन कर कई विकास योजनाओं की शुरुआत की, लेकिन पोस्टर के विवाद ने बीजेपी और जदयू के रिश्तों में खटास का संकेत दे दिया है। जिला समाहरणालय के मुख्य द्वार पर जदयू द्वारा लगे पोस्टर में मुख्यमंत्री नीतीश के साथ-साथ पार्टी के कई नेताओं और मंत्रियों के फोटो थे, लेकिन पोस्टर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी के किसी अन्य नेता का फोटो नहीं था। इस पर बीजेपी के पूर्व जिला अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने सवाल उठाकर कहा कि यह गठबंधन धर्म का उल्लंघन है। उन्होंने मामले में जदयू के राष्ट्रीय नेतृत्व से जांच की मांग कर कहा कि यह मुद्दा एनडीए की बैठक में भी उठाया जाएगा। बीजेपी नेताओं का आरोप था कि पोस्टर में जानबूझकर प्रधानमंत्री मोदी और पार्टी के नेताओं को शामिल नहीं किया गया, जो एक सियासी संदेश देता है। जैसे ही यह खबर मीडिया में आई, जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बीजेपी नेताओं के फोटो पोस्टर पर लगा दिए। इस घटनाक्रम ने एनडीए गठबंधन में दरार की चर्चाओं को हवा दी है, और सवाल उठाए जा रहे हैं कि क्या नीतीश कुमार फिर से खेला करने जा रहे हैं। अब सभी की नजरें इस पर हैं कि क्या यह सियासी विवाद गठबंधन टूटने की दिशा में कोई बड़ा कदम होगा।

## पटना साहिब में श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज का प्रकाश उत्सव पर्व का आगाज

*** 6 जनवरी की दोपहर 1:00 बजे आ सकते हैं केंद्रीय मंत्री अमित शाह**

**नई दिल्ली (एजेंसी)**। पटना (ईएमएस)। बोले सो निहाल सत श्री अकाल की गूंज से पटना साहिब शनिवार की सुबह गूंजने लगा। प्रभात फेरी, नगर कीर्तन के साथ ही सिखों के 10वें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज का 358वां प्रकाश उत्सव पर्व का आगाज हो गया। तीन दिनों तक चलने वाले प्रकाश उत्सव पर्व में देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। पटना साहिब गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष जगजोत सिंह ने बताया कि इस वर्ष केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 6 जनवरी की दोपहर 1:00 बजे आ सकते हैं।

शनिवार की सुबह से ही बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं का सिलसिला शुरू हो गया है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों से हजारों की संख्या में सिख श्रद्धालु पटना साहिब पहुंच रहे हैं। इसके लिए प्रबंधन कमेटी के लोगों ने भी सभी लोगों के ठहरने की पूरी व्यवस्था की है। पटना साहिब के बाल लीला गुरुद्वारा, कंगन घाट, मुख्य गुरुद्वारा पटना साहिब, अतिथिशाला सहित सभी जगह को श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित किया गया है।

सिंह ने बताया कि इस वर्ष केंद्र सरकार सहित राज्य सरकार के सभी मंत्रियों को गुरु पर्व के मौके पर आने का निमंत्रण भेजा गया है। इसके अलावा उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राज्यपाल मोहम्मद आरिफ खान, उपमुख्यमंत्री सहित कई मंत्रियों के आने के भी संभावना है। उन्होंने बताया कि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पटना साहिब प्रबंधन कमेटी के अलावा बिहार सरकार के तरफ से भी समुचित व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि भूरी वाले के तरफ से और प्रबंधन कमेटी की तरफ से सभी श्रद्धालुओं के लिए लंगर 24 घंटे के लिए खोल दिए गए हैं।

## तीन दिनों का परीक्षण हुआ सफल: अब 180 की तेज गति से दौड़ेगी वंदे भारत

**नई दिल्ली (एजेंसी)**। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने पिछले तीन दिनों में अपने कई परीक्षणों में 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की है। जनवरी के अंत तक यह परीक्षण जारी रहेंगे। उसके बाद देश भर के रेल यात्रियों को लंबी दूरी की यात्रा के लिए यह विश्व-स्तरीय यात्रा उपलब्ध कराई जाएगी।

कोटा डिवीजन में सफल परीक्षण का एक वीडियो साझा करते हुए, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर अपनी पोस्ट में इसकी गति का उल्लेख किया। वीडियो में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के अंदर एक मोबाइल के बगल में पानी से भरा गिलास दिखाया गया है। पानी का स्तर स्थिर देखा जा सकता है। आशय ये है कि चलती ट्रेन 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम और स्थिर गति प्राप्त करती है। हाई-स्पीड रेल यात्रा में वंदे भारत यात्रियों को आराम का अनुभव कराती है। यह पोस्ट 3 दिनों के सफल परीक्षणों के बाद आया है, जो 2 जनवरी को समाप्त हुआ, जिसमें वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने अपनी भरी हुई स्थिति में अधिकतम गति प्राप्त की।

वंदे भारत ट्रेनें अब कई शताब्दी ट्रेन मार्गों पर उपलब्ध हैं। वंदे भारत एक्सप्रेस भारत की सबसे तेज़ ट्रेन है और 180 किमी/घंटा तक की गति तक पहुंचने में सक्षम है। अब तक, यह दिल्ली और वाराणसी जैसे छोटे और मध्यम दूरी के प्रमुख शहरों को जोड़ती है और एक शानदार यात्रा अनुभव प्रदान करती है। विशेषज्ञों का मानना है कि वंदे भारत ट्रेनें गति और आराम का एक सहज मिश्रण प्रदान करती हैं। यह केवल यात्रा का एक तरीका नहीं है बल्कि आधुनिक भारतीय इंजीनियरिंग का एक अनुभव है।

रेलवे के लिए असली चुनौती बर्थ जोड़ना और ट्रेनों को पूर्ण यात्री और सामान लोड की स्थिति के लिए परीक्षण करना था ताकि उन्हें 180 किमी/घंटा की अधिकतम गति प्राप्त करते हुए वंदे भारत स्लीपर कोच में परिवर्तित किया जा सके। इन सफल परीक्षणों के साथ, रेल यात्री कश्मीर से कन्याकुमारी, दिल्ली से मुंबई, हावड़ा से चेन्नई और कई अन्य मार्गों जैसे लंबी दूरी की यात्राओं में विश्व-स्तरीय यात्रा अनुभव की उम्मीद कर सकते हैं। उन्हें यात्रा का समय काफी कम होने से लाभ होगा। मुंबई-दिल्ली लंबी दूरी की यात्रा की वर्तमान औसत गति 90 किमी/घंटा है, जिसमें तेजस राजधानी एक्सप्रेस के लिए अधिकतम स्वीकार्य गति 140 किमी/घंटा है, जो देश में सभी राजधानी ट्रेन सेवाओं में सबसे तेज है।

कोटा और लबान के बीच हुआ परीक्षण

राजस्थान के बूंदी जिले में कोटा और लबान के बीच 30 किलोमीटर लंबे ट्रायल रन के दौरान ट्रेन ने 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की। वर्ष 2025 के पहले दिन रोहल खुर्द से कोटा के बीच 40 किलोमीटर लंबे ट्रायल रन में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की। इसी दिन कोटा-नागदा और रोहल खुर्द-चौमहला सेक्शन पर 170 किलोमीटर प्रति घंटे और 160 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की। अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) लखनऊ की निगरानी में ये ट्रायल जनवरी महीने तक जारी रहेंगे। एक बार ये परीक्षण पूरे हो जाने के बाद, रेलवे सुरक्षा आयुक्त द्वारा अधिकतम गति पर ट्रेन का मूल्यांकन किया जाएगा। अंतिम चरण में सफल होने के बाद ही, वंदे भारत ट्रेनों को आधिकारिक रूप से प्रमाणित किया जाएगा और उन्हें भारतीय रेलवे को शामिल करने और नियमित सेवा के लिए सौंप दिया जाएगा।

# एससी/एसटी छात्रों की आत्महत्या पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, यूजीसी से मांगा डेटा

**नई दिल्ली (एजेंसी)**। सुप्रीम कोर्ट ने देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में एससी/एसटी वर्ग के छात्रों द्वारा की गई आत्महत्याओं और जातिगत भेदभाव के मामलों पर सख्त रुख अपनाया है। रोहित वेमुला और पायल ताडवी की मां द्वारा दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को निर्देश दिया कि वह केंद्रीय, राज्य, निजी और मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों से इन मामलों से संबंधित आंकड़े इकट्ठा करे।

सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी को 2012 के रेग्युलेशन के तहत बनाए गए समान अवसर सेल्स (ईओसी) की शिकायतों और उन पर उठाए गए कदमों की रिपोर्ट पेश करने का भी आदेश दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए नियमित सुनवाई की जाएगी।

2012 रेग्युलेशन के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

सुप्रीम कोर्ट ने 2004 से 2024 के बीच आईआईटी संस्थानों में 115 आत्महत्याओं के आंकड़ों पर चर्चा करते हुए कहा कि 2012 के यूजीसी रेग्युलेशन को प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए मजबूत तंत्र आवश्यक है। कोर्ट ने यह भी कहा कि जातिगत भेदभाव के मामलों को खत्म करने के लिए संस्थानों में शिकायत निवारण प्रणाली को और सशक्त बनाना होगा।

### रोहित वेमुला और पायल ताडवी के मामले प्रमुख

याचिका में विशेष रूप से रोहित वेमुला और पायल ताडवी के मामलों का उल्लेख किया गया है। रोहित वेमुला ने 17 जनवरी 2016 को हैदराबाद विश्वविद्यालय में जातीय भेदभाव के आरोपों के चलते आत्महत्या कर ली थी। इसी तरह, पायल ताडवी, जो मुंबई के टीएन टोपीवाला मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई कर रही थीं, ने 22 मई 2019 को आत्महत्या कर ली। याचिकाकर्ता ने एससी/एसटी छात्रों और शिक्षकों के खिलाफ भेदभाव रोकने के लिए मजबूत और प्रभावी तंत्र की मांग की है। कोर्ट ने यह सुनिश्चित करने की भी आवश्यकता जताई कि संस्थान शिकायतों को गंभीरता से लें और भेदभाव रोकने के लिए ठोस कदम उठाएं।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की वकील इंदिरा जयसिंह ने अदालत के समक्ष इन मुद्दों की गंभीरता को रेखांकित किया। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई को प्राथमिकता देते हुए आगे की कार्रवाई का संकेत दिया है।

## खुद को मॉडल बता कर सैकड़ों लड़कियों से दोस्ती, फिर निजी तस्वीरों से ब्लैकमेलिंग का काम

*** दिल्ली पुलिस ने शातिर साइबर क्रिमिनल तुषार बिष्ट को गिरफ्तार किया**

**नई दिल्ली (एजेंसी)**। दिल्ली पुलिस ने 23 साल के शातिर साइबर क्रिमिनल तुषार बिष्ट को गिरफ्तार किया है, तुषार ने फेक प्रोफाइल बनाकर ऑनलाइन डेटिंग एप पर सैकड़ों लड़कियों से दोस्ती कर उनकी निजी तस्वीरें प्राप्त कर उन्हें ब्लैकमेल किया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने खुद को एक अमेरिकी फ्रीलांस मॉडल बताकर और ब्राजील के मॉडल की तस्वीर का इस्तेमाल कर लड़कियों को अपने जाल में फंसाया।

पुलिस ने बताया कि तुषार ने 18 से 30 साल की उम्र की लड़कियों को निशाना बनाया था। वह बंबल, स्नैपचैट और अन्य डेटिंग एप पर एक अंतरराष्ट्रीय वर्चुअल नंबर का उपयोग करता था। जब महिलाएं आरोपी तुषार से दोस्ती करने लगती थीं, तब वह उनकी निजी तस्वीरें और वीडियो मांगता था और बाद में उन्हें वायरल करने की धमकी देकर पैसे वसूलता था।

विवाद तब बढ़ा जब एक दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा ने तुषार से अपनी निजी तस्वीरें साझा की थीं और इसके बाद में ब्लैकमेलिंग का शिकार हुई। आरोपी ने छात्रों को धमकी दी कि यदि पैसे नहीं दिए, तब वहां उसकी निजी तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट कर देगा। परेशान होकर छात्रा ने अपने परिवार को बताकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने आरोपी की पहचान कर गिरफ्तार कर लिया। तुषार के पास से कई फर्जी आईडी, एक मोबाइल फोन,

और 13 क्रेडिट कार्ड बरामद हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, तुषार ने 500 से अधिक महिलाओं से चैटिंग की और उनके व्यक्तिगत डेटा का गलत फायदा उठाकर पैसों की उगाही की। अब तक 4 अन्य महिलाओं की भी पहचान की जा चुकी है, जो तुषार के शिकार बनी थी।

# भारत के कथित गुप्त मिशनों की खबरों को भारत ने नकारा कहा- पूर्वाग्रह से ज्यादा कुछ नहीं

**नई दिल्ली (एजेंसी)**। हाल में अमेरिकी अखबार वाशिंगटन पोस्ट की कुछ खबरों को लेकर भारत में काफी चर्चा हुई। मालदीव और पाकिस्तान में भारत के कथित गुप्त मिशनों वाली दोनों खबरों को लेकर भारत ने बेहद कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए इसे पूर्वाग्रह से ज्यादा कुछ नहीं बताया। मीडिया ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस पर पूछे गए प्रश्न के जवाब में कहा कि वाशिंगटन पोस्ट में प्रकाशित यह दोनों खबरें निराधार, गैर-विश्वसनीय और भारत के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैये वाली हैं। इसलिए हम इन्हें सिरे से खारिज करते हैं। जायसवाल ने यह भी कहा कि इन दोनों खबरों को देखकर ऐसा लगता कि अखबार और उसके संवाददाता दोनों ही भारत के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैया रखते हैं। आप उनकी गतिविधियों और खबरों में एक पैटर्न को देख सकते हैं। ऐसे में उनकी विश्वसनीयता कितनी है, उसके आकलन का काम हम आप पर छोड़ते हैं। जहां तक हमारा सवाल है, हमें उनमें कोई विश्वसनीयता नजर नहीं आती है।

वाशिंगटन पोस्ट ने मालदीव पर डेमोक्रेटिक रिन्यूअल इनिशिएटिव नामक एक आंतरिक दस्तावेज के हवाले से अपनी खबर में यह दावा किया कि राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जू को उनके पद से हटाने के लिए उन पर महाभियोग चलाने के लिए मालदीव के विपक्षी नेताओं ने उनकी पार्टी पीपुल्स नेशनल कांग्रेस के कुछ सदस्यों सहित विपक्ष के 40 सांसदों ने भारत से कथित तौर पर लगभग 6 मिलियन डॉलर (51 करोड़ रुपए) की रिश्वत की मांग की थी। मालदीव की विपक्षी पार्टी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों ने पिछले साल 2024 की शुरुआत में भारत से रिश्वत की यह मांग की थी। हालांकि ये सफल नहीं हो पाई थी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इस काम को पूरा करने के लिए भारत के रिसर्च एंड एनालिसिस विंग यानी रॉ के एजेंटों की मालदीव के विपक्षी सांसदों से गुप्त चर्चा भी हुई। वहीं, पाकिस्तान को लेकर आई खबर में वाशिंगटन पोस्ट ने अनाम पाकिस्तानी और पश्चिमी अधिकारियों के हवाले से कहा है कि भारत की खुफिया एजेंसी रॉ वर्ष 2021 से पाकिस्तान के अंदर आधा दर्जन लोगों को मारने का एक कार्यक्रम चला रही है।

### चीन के दो नए काउंटी मंजूर नहीं

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने चीन से जुड़े एक प्रश्न के जवाब में कहा कि हमने चीन की होटन प्रांत में दो नई काउंटियों की स्थापना से जुड़ी हुई घोषणा देखी है। इन तथाकथित काउंटियों के कुछ हिस्से भारत के केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख क्षेत्र में भी आते हैं। यह हमें बिलकुल भी मंजूर नहीं है। भारत ने कूटनीतिक माध्यमों से इसे लेकर चीनी पक्ष के सामने अपना

विरोध दर्ज कराया है। उन्होंने कहा, हमने इस भारतीय क्षेत्र पर कभी भी चीन के अवैध कब्जे को स्वीकार नहीं किया है। नए काउंटियों के निर्माण से इस क्षेत्र पर न ही हमारी संप्रभुता को लेकर भारत की दीर्घकालिक और स्थापित स्थिति पर कोई फर्क पड़ेगा और न ही इससे चीन के अवैध कब्जे को कोई मान्यता मिल पाएगी। पूर्वोत्तर भारत से लगे तिब्बत क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र नदी पर चीन की बांध (यारलुंग जांगबो) बनाने की कोशिश को लेकर जायसवाल ने कहा कि भारत अपने हितों की रक्षा के लिए इस मामले पर लगातार निगरानी रखेगा और जरूरी कदम उठाएगा।

## नेपाल के बाल गायक सचिन ने 15 साल की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा

कांठमांडू। नेपाल के प्रसिद्ध बाल गायक सचिन परियार का निधन हो गया है। महज 15 साल की उम्र में सचिन की ऑक्सीजन की कमी और हार्ट अटैक के कारण उनका निधन हुआ है। काठमांडू के त्रिभुवन यूनिवर्सिटी टीचिंग हॉस्पिटल में उनका इलाज चल रहा था, जहां 2 जनवरी को उन्होंने दुनिया को अलविदा कहा। मीडिया रिपोर्ट में अस्पताल सूत्रों के मुताबिक सचिन कई सालों से गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे और पांच साल तक इलाज के बावजूद उनकी

हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। सचिन के निधन से उनके प्रशंसकों और परिवार गहरे सदमें में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सचिन की मां और पिता अपने बेटे के निधन के बाद सुदबुद खो चुके हैं। इंटरनेट पर सामने आए वीडियो में सचिन के अंतिम संस्कार के दृश्य में उनके माता-पिता को रोते बिलखते देखा गया। सचिन की मां की चीखें दिल दहला देने वाली थीं, क्योंकि वह अपने बेटे को खोने के दुख सह नहीं पा रही थी। सचिन के पिता भी सहारा लेते दिखाई दिए। एक तस्वीर में सचिन की मां अपने बेटे के शव के पास खड़ी थीं, जो फूलों से सजा था और माथे पर लाल कुमकुम लगा था। सचिन परियार को 28 दिसंबर, 2024 को तेज बुखार, दौरे और चेतना के चलते अस्पताल में भर्ती कराया था। उनके स्वास्थ्य में लगातार गिरावट आई और उन्हें निमोनिया, कई अंगों की शिथिलता, तीव्र किडनी की चोट, एन्सेफैलोपैथी और रक्तस्राव विकार जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ा। एन्सेफैलोपैथी एक ऐसी बीमारी है जिसमें मस्तिष्क का कार्य या संरचना प्रभावित होता है। बता दें छोटी सी उम्र में ही सचिन ने नेपाली मनोरंजन उद्योग में अपनी विशेष पहचान बनाई। वह अपने लोकप्रिय गीत ओथा खोलेरा के लिए बहुत मशहूर थे। सचिन की यादें हमेशा उनके प्रशंसकों के दिलों में जीवित रहेंगी और उनका योगदान नेपाली संगीत जगत में हमेशा याद किया जाएगा।

## इथोपिया में 5.5 तीव्रता का आया भूकंप, ज्वालामुखी के फटने से तबाही की आशंका

अदीस अवावा। यूरोपीय भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक इथोपिया में 5.5 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप 10 किमी (6.21 मील) की गहराई पर था। इससे पहले दिन में, अनादोलु अजांसी ने इथियोपिया के केंद्रीय माउंट डोफन में ज्वालामुखी विस्फोट की सूचना दी। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस क्षेत्र में हाल ही में लगातार छोटे-छोटे झटके महसूस किए गए हैं। लगातार आने वाले इन झटकों ने संभावित बड़ी आपदा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। खास तौर पर अवाश फेंटाले क्षेत्र में, जो अदीस अबाबा से लगभग 142 मील (230 किमी) दूर है। हाल के हफ्तों में, इस क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक छोटे भूकंप आए हैं। इससे निवासियों को इस मुद्दे पर चिंता हो रही है। राज्य के स्वामित्व वाली फना ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन की रिपोर्ट के अनुसार क्षेत्रीय प्रशासक अब्दु अली ने कहा है कि अधिकारी जोखिम वाले निवासियों को सुरक्षित क्षेत्रों में स्थानांतरित करके हताहतों को रोकने के प्रयास कर रहे हैं। अली ने बताया कि भूकंप के झटके जारी हैं और अधिक शक्तिशाली होते जा रहे हैं। सबसे हालिया झटके रात में अदीस अबाबा में महसूस किए गए। उन्होंने कहा कि क्रेटर से धुआं निकलना बंद हो गया है। लेकिन ज्वालामुखी से लावा अभी भी बह रहा है। उन्होंने कहा कि लोगों और मवेशियों को निकाला गया है, लेकिन उन्होंने संख्या नहीं बताई। एडिस स्टैंडर्ड के अनुसार, सितंबर के अंत से अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने इस क्षेत्र में 67 से अधिक भूकंप दर्ज किए हैं। विशेष रूप से फैंटेल क्षेत्र में जो ग्रेट रिफ्ट वैली का हिस्सा है। प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों ने समाचार पत्र को बताया कि 30 से अधिक घर ढह गए हैं, जहां भूकंप के झटके अधिक बार और अधिक हिंसक हो गए हैं। एक स्थानीय निवासी ने समाचार पत्र को बताया, 'घर दिन-प्रतिदिन ढह रहे हैं।

## स्टॉक मार्केट में हुआ करोड़ों का नुकसान तो फ्री कूपन का लेने लगे आनंद

**-2024 में संपत्ति 31.5 करोड़ रुपए पहुंची, आज भी साइकिल से चलते हैं**

टोक्या। 75 साल के जापानी बुजुर्ग हिरोटो किरितानी, जिन्हें गॉड ऑफ फ्रीबीज के नाम से जाना जाता है। वह अनोखी लाइफस्टाइल के चलते इंटरनेट पर छाए हुए हैं। करोड़ों की संपत्ति के मालिक होने के बावजूद किरितानी हर दिन कूपन और मुफ्त ऑफर्स का पूरा फायदा उठाते हैं।किरितानी जो जापानी शतरंज जैसे खेल शोगी के शानदार खिलाड़ी थे, उन्होंने अपने करियर की शुरुआत शेयर बाजार में सिक्योरिटीज फर्म में टीचर के तौर पर की थी। वहीं पर उन्होंने शेयर ट्रेडिंग के गुर सीखे और पहली बार 10 करोड़ येन यानी 5.29 करोड़ रुपए की कमाई की। 2024 तक उनकी संपत्ति बढ़कर 60 करोड़ येन यानी 31.5 करोड़ रुपए तक पहुंच गई लेकिन वह आज भी साइकिल से ही चलते हैं। 2008 के स्टॉक मार्केट क्रैश में 20 करोड़ येन का नुकसान होने के बाद किरितानी ने ठान लिया कि अब एक भी पैसा बेकार नहीं जाने देंगे। उन्होंने एक हजार से ज्यादा कंपनियों के शेयर खरीदकर उनके कूपन और शेयरहोल्डर परक्स का इस्तेमाल किया। शेयरहोल्डर परक्स उन विशेष लाभों को कहते हैं, जो कंपनियां अपने शेयरधारकों को देती हैं। इनमें डिस्काउंट कूपन, मुफ्त प्रोडक्ट सैंपल, फ्री टिकट्स, गिफ्ट्स, बोनस और कंपनी इवेंट्स में शामिल होने का मौका शामिल है। कुछ कंपनियां अतिरिक्त लाभ जैसे बोनस शेयर या डिविडेंड भी देती हैं, जो निवेशकों की वफादारी बनाए रखने में मदद करते हैं। किरितानी हर सुबह टोक्यो की सड़कों पर अपने कूपन से खरीदी गई साइकिल से निकलते हैं। वह मुफ्त खाने के लिए रेस्टोरेंट जाते हैं। फ्री जिम में एक्सरसाइज करते हैं और यहां तक कि फ्री मूवी टिकट्स के जरिए हर साल 140 फिल्में देखते हैं। मजेदार बात यह है कि वह फिल्मों का आनंद नहीं लेते, बल्कि थिएटर की आरामदायक सीट्स पर सो जाते हैं। किरितानी का मानना है कि कूपन का सही इस्तेमाल करना उनके जीवन का उद्देश्य है। उनकी अनोखी कहानी ने उन्हें इंटरनेट सेंसेशन बना दिया है। सोशल मीडिया पर लोग उनकी इस लाइफस्टाइल की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

## जॉनसन बने हाउस ऑफ रेप्रेसेंटेटिव के स्पीकर

वॉशिंगटन। अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रेप्रेसेंटेटिव में रिपब्लिकन सांसद माइक जॉनसन को फिर से स्पीकर चुन लिया गया। जॉनसन को नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का भी सपोर्ट हासिल था। हालांकि ट्रम्प के सपोर्ट के बाद भी उन्हें जीत के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। लुइसियाना से सांसद माइक जॉनसन को 2023 में भी इसी हाउस का स्पीकर चुना गया था। जॉनसन को दोबारा स्पीकर बनने के लिए 218 वोट की जरूरत थी। लेकिन शुरुआत में उनकी रिपब्लिकन पार्टी के ही 3 सांसदों ने उनका सपोर्ट करने से इनकार कर दिया। इसके बाद जॉनसन ने बहुमत हासिल करने के लिए 45 मिनट तक लॉबिंग की। तब जाकर दो उन्हें रिपब्लिकन सांसदों का सपोर्ट मिला, जिससे वो बहुमत हासिल कर पाए।

## अमेरिका में ट्रक से कुचलने के बाद, गोलीबारी की घटना....4 लोगों को अस्पताल में भर्ती किया

वाशिंगटन । अमेरिका में ट्रक से कुचलने की घटना के बाद अब वाशिंगटन डीसी में गोलीबारी की घटना हुई है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, फायरिंग के बाद 4 लोगों को अस्पताल में भर्ती किया है। घायलों में 3 पुरुष और एक महिला शामिल है। घटना रात करीब 9 बजे हुई। हमले की चपेट में आए सभी पीड़ित होश में हैं। बात दें कि गोलीबारी की घटना हैरी थॉमस वे नॉर्थईस्ट के 1500 ब्लॉक में हुई, जो मेट्रो स्टेशन से सिर्फ 500 फीट दूर है।

रिपोर्ट के मुताबिक, हमले के बाद 2 पीड़ितों को अस्पताल पहुंचाया गया। इतना ही नहीं गोलीबारी के दौरान भगदड़ से कई लोग घायल भी हुए हैं। जिस जगह पर गोलीबारी हुई, वहां अक्सर काफी भीड़ रहती है। फिलहाल, पुलिस टीम मौके पर तैनात है और घटनास्थल की घेराबंदी कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि हमलावर के बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं मिली है। घटनास्थल से सबूत इकट्ठा किए जा रहे हैं। आसपास जो लोग मौजूद थे उन सभी से पूछताछ की जा रही है।

कैनबरा, ऑस्ट्रेलिया में प्रदर्शनी पार्क में समरनेट्स कार फेस्टिवल के दौरान बर्नआउट प्रदर्शन का मंचन किया गया। यहां पर प्रतिवर्ष 2 से 5 जनवरी तक कार फेस्टिवल आयोजित किया जाता है।

## यूक्रेन के ड्रोन हमलों का जवाब देने रुस ने चलाया ब्रह्मास्त्र, जेलेंस्की की उड़ी नींद

**कीव (एजेंसी)।** रूस और यूक्रेन का युद्ध अब स्वाभिमान का सवाल बन गया है। करीब तीन सालों से जारी युद्ध में कोई भी झुकने को तैयार नहीं है। ऐसे में अब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के नए ब्रह्मास्त्र से यूक्रेन खौफ में आ गया है। पुतिन का ये नया ब्रह्मास्त्र ने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की की नींद उड़ा दी है? यूक्रेन के डिफेंस इंटेलिजेंस प्रमुख किरिलो बुडानोव ने रूस के अत्याधुनिक फाइबर ऑप्टिक ड्रोन को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि यूक्रेन के पास रूस के इस हथियार का कोई तोड़ नहीं है।

उन्होंने कहा कि हम ड्रोन वॉर जीत रहे थे लेकिन अब रूस ने बड़े स्तर पर फाइबर ऑप्टिर एफपीवी ड्रोनों का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। ये हमारे लिए बहुत मुश्किल है क्योंकि इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर से इसे रोक पाना असंभव है। हम इसका तकनीकी समाधान ढूंढने की कोशिश करेंगे। बता दें कि बीते कुछ समय से यूक्रेन की सेना को रूस के

इस नए तरह के एफवीपी ड्रोन कामिखाजा के नए प्रकार का पता चला है।

रूस के इस एफवीपी कामिखाजा ड्रोन को सेना की लैब में तैयार किया गया है। रूस और यूक्रेन के बीच ये जंग ड्रोन युद्ध के रूप में बदल चुकी है। दोनों मुल्क जमकर ड्रोन्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में युद्ध के बीच ये समझ पाना मुश्किल है कि कौन सा ड्रोन किसका है। ये ड्रोन अद्भुत कंट्रोल सिस्टम से लैस हैं जो फाइबर ऑप्टिक केबल से चलते हैं। रूस के ये नए ड्रोन इतने सशक्त और भेदी हैं कि ये वायरलेस रेडियो फ्रीक्वेंसी से भी बचकर निकल जाते हैं।

दरअसल पारंपरिक ड्रोन जीपीएस और आरएफ सिग्नल पर निर्भर होते हैं और इन्हें जैमिंग जैसे इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर टेक्टिक्स के जरिए डिसेबल किया जा सकता है। इससे पहले भी यूक्रेन में रूसी सेना की स्पेशल मिने बटालियन दुश्मन के ठिकानों को ढूंढकर निशाना बना रही है। इस ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए रूसी सेना एफपीवी-ड्रोन का इस्तेमाल कर रही है। रूसी सैनिक एफपीवी-ड्रोन में जैविक हथियार जोड़ने के लिए फिटिंग बनाने के लिए 3डी-प्रिंटर का इस्तेमाल करते हैं। अब इसी ड्रोन का लेटेस्ट वर्जन यूक्रेन के लिए सिरदर्द बन गया है। यूक्रेन परेशान है इसका जवाब कैसे दिया जाए।

## आतंकी हमले के बाद बाइडेन की दो टूक, आईएसआईएस को बक्शा नहीं जाएगा

वाशिंगटन । न्यू ऑरलियंस में हुए आतंकी हमले के बाद अमेरिका आईएसआईएस के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर सकता है। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने वादा किया कि अमेरिका आईएसआईएस और अन्य आतंकवादी संगठनों का लगातार पीछा करेगा। बाइडेन ने कहा, हम आईएसआईएस और अन्य आतंकवादी संगठनों का लगातार पीछा करने वाले है। जहां वे हैं और उन्हें कोई सुरक्षित पनाहगाह नहीं मिलेगी। इस बीच न्यू ऑरलियन्स के बॉर्बन स्ट्रीट में उम्मीद और वादे के साथ रेस्तरां और बार फिर से खुल गए। शहर और देश को झकझोर देने वाले हमले के बाद भले ही पर्यटकों की संख्या कम हो गई हो, लेकिन न्यू ऑरलियन्स के फ्रेंच क्वार्टर इलाके की इस लोकप्रिय सड़क पर पर्यटकों के साथ-साथ लोग भी वापस आ गए हैं। इस सड़क के मशहूर बैंड भी वापस आ गए हैं। बता दें बॉर्बन स्ट्रीट में एक संदिग्ध आईएसआईएस आतंकी ने तेज रफ्तार ट्रक घुसा दिया था। हमले में 14 लोगों की मौत हुई और दर्जनों लोग घायल हो गए। ट्रक कथित तौर पर टेक्सास निवासी 42 वर्षीय संदिग्ध शम्सुद्दीन जब्बार चला रहा था इस सुरक्षाबलों ने मार गिराया। जांचकर्ताओं का मानना है कि जब्बार ने अकेले ही घटना को अंजाम दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एफबीआई का कहना है कि वाहन में इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस या आईएस) का झंडा मिला है।

## डोभाल से मुलाकात करने दिल्ली पहुंच रहे अमेरिकी एनएसए सुलिवन

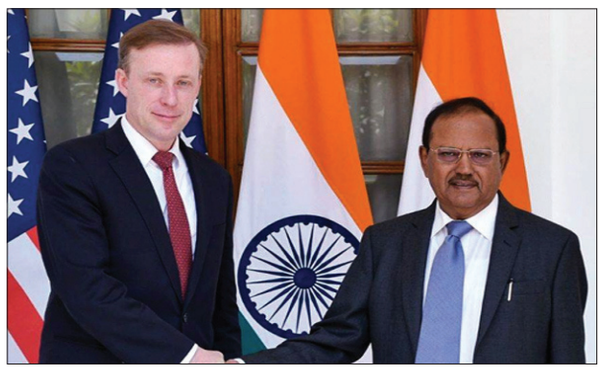

**वाशिंगटन (एजेंसी)।** अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन पांच और छह जनवरी को भारत की यात्रा पर जाएंगे, जहां वह अपने समकक्ष अजीत डोभाल और अन्य शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात करने वाले है।

सुलिवन,पद छोड़ने से पहले भारत की अपनी यात्रा के दौरान दिल्ली के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में भारत-केंद्रित विदेश नीति पर भाषण भी देने वाले है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने वाले हैं, और उनके कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का पद सांसद माइकल वाल्ट्ज को दिया गया। एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने बताया कि सुलिवन की यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डोभाल के साथ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करना है।

## तीन मोर्चों में जंग लड़ रहे इजरायली सैनिकों में आत्महत्या के मामले बढ़े, चिंतित नेतन्याहू खुद मैदान में उतरे

**तेलअवीव (एजेंसी)।** साल 2024 में इजरायल पूरी तरह युद्ध फंसा दिखाई दिया और नये साल में यहूदी देश के खिलाफ युद्ध का नए मोर्चे खुलने से जंग में और ज्यादा फंसे रहने की उम्मीद है। अक्टूबर 2023 में हमास द्वारा किए भीषण हमले के बाद इजरायल दुश्मन देशों पर कहर बनकर टूट रहा है। पहले हमास फिर लेबनान और अब नए साल के साथ ही यमन के हूती विद्रोहियों के साथ इजरायल की जंग शुरू हो चुकी है। लेकिन युद्ध के तीन मोर्चों में उलझे इजरायली सैनिकों की मनोस्थिति ठीक नहीं है। इजरायल की फौज यानी आईडीएफ का डेटा कहता है कि युद्ध शुरू होने के बाद से सैनिकों में आत्महत्या की संख्या बढ़ी है। 2023 और 2024 में 38 सैनिकों ने सुसाइड किया। हमास के खिलाफ शुरू हुए युद्ध के बाद से आत्महत्या के 28 मामले सामने आए। चिंतित नेतन्याहू सरकार ने सैनिकों की आत्महत्या रोकने के लिए 800 से ज्यादा डॉक्टरों की टीम को मदद के लिए उतार दिया है। वे लगातार सैनिकों की काउंसलिंग कर रहे हैं।

आईडीएफ ने बीते दो वर्षों में हुई मौतों के आंकड़े जारी कर कहा है कि युद्ध के दौरान सेना में आत्महत्याओं की संख्या में वृद्धि देखी गई है। जहां 2023 और 2024 में 38 सैनिकों ने आत्महत्या की है, उसमें से 28 ने 7 अक्टूबर 2023 को हुए हमले के बाद आत्महत्या की। 2022 में आईडीएफ में 14 आत्महत्याएं दर्ज हुईं और 2021 में यह संख्या 11 थी।

वहीं आईडीएफ के अनुसार, 558 सैनिक मारे गए, जिसमें 512 की जंग के दौरान मौत हुई। दुर्घटनाओं में 16 सैनिकों की मृत्यु हुई, जिसमें प्रशिक्षण के दौरान दो, नागरिक कार दुर्घटनाओं में चार, सैन्य कार दुर्घटनाओं में पांच, एक आकस्मिक हथियार विस्फोट के परिणामस्वरूप और 10 की बीमारी से मौत हुई। 2024 में, आईडीएफ ने सेना में कुल 363 मौतें दर्ज कीं, जिनमें युद्ध के दौरान परिचालन गतिविधि में 295 और आतंकवादी हमलों में 11 मौतें शामिल हैं। दुर्घटनाओं में 23 सैनिक मारे गए, 17 नागरिक कार दुर्घटनाओं में, तीन सैन्य कार दुर्घटनाओं में तथा 13 की मृत्यु बीमारी के कारण हुई।

युद्ध की शुरुआत से लेकर अब तक आईडीएफ के 891 सैनिक मारे गए हैं। इसमें 7 अक्टूबर के हमले के दौरान 329, गाजा में लड़ाई के दौरान करीब 390, उत्तरी इजरायल पर हमलों में 37, लेबनान के अंदर लड़ाई के दौरान 50 और वेस्ट बैंक में 11 सैनिक मारे गए।

आईडीएफ के आंकड़ों के अनुसार, पिछले वर्ष के दौरान आईडीएफ में कुल मृत्यु दर में 2023 की तुलना में कमी आई है, लेकिन आत्महत्याओं की संख्या में वृद्धि हुई है। आईडीएफ का कहना है कि 2024 में कम से कम 21 सैनिकों ने आत्महत्या कर दी, जिसमें सात भर्ती किए गए सैनिक, दो कैरियर सैनिक और 12 रिजर्व सैनिक शामिल हैं। आईडीएफ ने बताया कि सेना में आत्महत्याओं को रोकने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। सैनिकों की काउंसलिंग के लिए 24 घंटे सातों दिन हेल्पलाइन शुरु की गई है। अक्टूबर 2023 में सेल के स्थापित करने के बाद से काउंसलिंग के लिए 3900 से अधिक कॉल प्राप्त हुए हैं। आईडीएफ ने युद्ध के दौरान सैनिकों की मनोस्थिति ठीक करने के लिए 800 से अधिक डॉक्टरों की टीम को भी नियुक्ति किया है।

## परेशानी में ट्रंप, पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स मामले में 10 जनवरी को आएगा फैसला

**वॉशिंगटन, (एजेंसी)।** अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लिए एक नई मुश्किल खड़ी होने वाली है। 10 जनवरी को पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प को पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को पैसे देकर चुप कराने के मामले में सजा सुनाई जाएगी। मामले की सुनवाई करने वाले जज जुआन मर्चेन ने कहा कि ट्रम्प व्यक्तिगत रूप से या वर्चुअल माध्यम से सजा सुनने के वक्त कोर्ट में मौजूद हो सकते हैं।

दरअसल 2016 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले ट्रम्प ने कथित तौर पर डेनियल्स को पैसे दिए ताकि वह उनके साथ कथित यौन संबंधों के बारे में सार्वजनिक रूप से बात न करें। इस मामले में मैनहैटन कोर्ट ने पिछले साल मई में ट्रंप पर 34 आरोप तय किए थे। वहीं ट्रम्प ने मामले को अवैध राजनीतिक हमला करार दिया है। उन्होंने जज मर्चेन को कट्टरपंथी और पक्षपाती बताया और कहा, यह मामला हमारे संविधान के खिलाफ है। इस तुरंत खारिज किया जाना चाहिए। उनके प्रवक्ता स्टीवन चेउंग ने भी मामले की निंदा कर कहा कि यह सुप्रीम कोर्ट के इम्यूनिटी निर्णय और कानूनी प्रणाली का सीधा उल्लंघन है। रिपोर्ट्स के अनुसार, जज मर्चेन ने कहा है कि ट्रंप को 20 जनवरी से पहले सजा सुनाना जरुरी है। शपथ ग्रहण के बाद राष्ट्रपति पद की दी गई छूट के कारण ट्रम्प मामले में कानूनी कार्रवाई से बच सकते हैं। उधर ट्रम्प ने मामले को धोखाधड़ी बताकर कहा कि वह इन आरोपों के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखूंगा। ट्रंप समर्थकों का मानना है कि यह मामला राजनीतिक रूप से प्रेरित है और उनका उद्देश्य ट्रम्प की छवि खराब करना है।

## महामारी के चलते श्मशानों पर लाशों का ढेर लगा, फिर भी झूठ पर झूठ बोल रहा है चीन

**बीजिंग(एजेंसी)।** कई बार प्रमाणित हो चुका है कि चीन झूठ बोलने में माहिर है। कोरोनाकाल में तमाम सबूत होने के बाद भी वो झूठ बोलता रहा। इस बार भी चीन में कोरोना वायरस जैसी बीमारी ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) तेजी से फैल रही है। वहां के अस्पताल मरीजों से भरे पड़े हैं। यहां तक श्मशानों में भी शवों की दफनाने के लिए लंबी-लंबी कतारें देखी जा रही हैं, लेकिन चीन इस बात को मानने के लिए तैयार नहीं है।

उसने सोशल मीडिया पर प्रसारित इस तरह के वीडियो को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि जैसा दिखाया जा रहा है, वैसा कुछ भी नहीं। बीजिंग ने तो यहां तक कह दिया कि विदेशी टूरिस्टों के लिए चीन पूरी तरह से सुरक्षित है। चीन का यह बयान ठीक वैसा ही है, जैसा कि उसने पांच साल पहले कोरोना के समय दिया था। उसने कभी नहीं माना कि कोविड-19 वायरस उनके देश से फैला। चीन ने शुक्रवार को देश में बड़े पैमाने पर फ्लू के प्रकोप की खबरों को कमतर बताया, यह कहते हुए कि इस साल सर्दियों में होने वाली सांस संबंधी बीमारियों के मामले पिछले साल की तुलना में कम गंभीर हैं। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि विदेशियों के लिए चीन की यात्रा करना बिल्कुल सुरक्षित है।

चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने मीडिया को चीन में इन्फ्लूएंजा ए और अन्य श्वसन बीमारियों के प्रसार पर एक सवाल के जवाब में बताया, उत्तर गोलार्ध में सर्दियों के मौसम के दौरान श्वसन संक्रमण का प्रकोप बढ़ जाता है। उन्होंने कहा, बीमारियां पिछले साल की तुलना में कम गंभीर और छोटे पैमाने पर फैलती दिख रही हैं। उन्होंने कहा, 'मैं आपको आश्वस्त कर सकती हूं कि चीनी सरकार चीनी नागरिकों और चीन में रहने वाले विदेशियों के स्वास्थ्य की परवाह करती है। चीन में यात्रा करना सुरक्षित है।' चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने यह भी बताया कि चीन की राष्ट्रीय रोग नियंत्रण और रोकथाम प्रशासन ने सर्दियों में श्वसन रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। पिछले कुछ दिनों से चीन में बड़े पैमाने पर फ्लू के प्रकोप की खबरें विदेशों में, खासकर भारत और इंडोनेशिया में, फैल रही हैं। हालांकि, स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि यह प्रकोप हर साल सर्दियों के दौरान होता है।

समाचार गेट
TITLE CODE : HARHIN11569

स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर-6, नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक: कृष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालय: मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरपी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: बृहमदत शर्मा, 9818180269, ईमेल : krishna24news@gmail.com

## बोर्रा गुफाओं में होगी एसएसएमबी 29 की शूटिंग, एसएस राजामौली और महश बाबू ने बनाई योजना

एसएस राजामौली सुपरस्टार महेश बाबू के साथ एक फिल्म बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वर्तमान में राजामौली और उनकी टीम लोकेशन की तलाश कर रही है, जिसका एक बड़ा हिस्सा केन्या में शूट करने की योजना है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि एक महत्वपूर्ण एपिसोड बोर्रा गुफाओं, विजाग में भी शूट किया जाएगा, जो एक लोकप्रिय पर्यटक आकर्षण है। राजामौली ने हाल ही में अपनी टीम के साथ साइट का दौरा किया।

### बोर्रा गुफाओं में होगी शूटिंग

प्रोडक्शन से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि एसएस राजामौली ने बोर्रा गुफाओं में करीब दो सप्ताह की शूटिंग तय की है। एडवेंचर थ्रिलर के तौर पर प्रचारित यह फिल्म कई देशों में होगी। केएल नारायण इस प्रोजेक्ट को बड़े बजट में प्रोड्यूस करेंगे, जिसमें वीएफएक्स के लिए हॉलीवुड स्टूडियो को शामिल किया जाएगा।

### विदेश में तैयारी कर रहे महेश बाबू

महेश बाबू इस समय विदेश में हैं और इस भूमिका की तैयारी कर रहे हैं। वह अपनी अब तक की सबसे महंगी फिल्म में एक नए लुक में नजर आने वाले हैं। इस प्रोजेक्ट ने इस बात की भी सुर्खियां बटोरी हैं कि प्रियंका चोपड़ा जोनस को मुख्य महिला किरदार के लिए चुना गया है। अगर यह सच है तो इस कदम को एक मास्टरस्ट्रोक के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें प्रियंका के वैश्विक स्टारडम का लाभ उठाकर फिल्म का भी वैश्विक स्तर पर प्रचार किया जाएगा।

### फिल्म की शूटिंग और रिलीज डेट

फिल्मांकन 2025 की गर्मियों में शुरू होने की उम्मीद है, और 2027 में रिलीज होने की उम्मीद है। राजमौली का परिवार प्रोडक्शन में अहम भूमिका निभाएगा। उनके पिता विजयेंद्र प्रसाद ने कहानी लिखी है, जबकि उनके भाई एमएम कीरवानी संगीत तैयार करेंगे। राजमौली के बेटे कार्तिकेय लाइन प्रोड्यूसर की भूमिका निभाएंगे। खास बात यह है कि इस प्रोजेक्ट में हमेशा की तरह सिनेमैटोग्राफर सेंथिल कुमार शामिल नहीं होंगे। विजाग में हाल ही में लोकेशन की तलाश ने उत्साह पैदा कर दिया है, जिससे प्रशंसकों को काफी उम्मीदें हैं।

# श्वेता त्रिपाठी ने दिया मिर्जापुर-द फिल्म पर अपडेट

मिर्जापुर सीरीज की गोलू उर्फ श्वेता त्रिपाठी को आज हर कोई पहचानता है। श्वेता ने अपनी बेहतरीन अदाकारी ने सभी का दिल जीता है। कुछ समय पहले ही निर्माताओं ने मिर्जापुर - द फिल्म की घोषणा की थी और तभी से ही प्रशंसक इसे लेकर उत्साहित हैं। फिल्म से जुड़ी हर जानकारी पर प्रशंसकों की नजरें रहती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान श्वेता ने फिल्म के बारे में कई अपडेट शेयर किए और साथ ही कहा कि यह फिल्म दर्शकों की उम्मीद से कहीं आगे की होगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान मिर्जापुर में अपनी भूमिका के लिए मशहूर श्वेता त्रिपाठी ने इस सीरीज पर आधारित आगामी फीचर फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा कि फिल्म का निर्माण जल्द ही शुरू होने वाला है। उन्होंने आगे बताया कि मिर्जापुर स्वाभाविक रूप से एक पुरुष-प्रधान दुनिया है, जहां पुरुषों के पास सत्ता है, और यह फिल्म उसी को दर्शाएगी। हालांकि, फिल्म में सीरीज का सार और लहजा बरकरार रखा जाएगा, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि यह फिल्म, सीरीज से कहीं ज्यादा थ्रिलर और आगे की होगी। उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म में पहले सीजन के किरदार जैसे कंपाउंडर और मुन्ना भी शामिल होंगे।

श्वेता त्रिपाठी ने फिल्म में अपने किरादार गोलू के बारे में कहा कि प्रशंसकों का गोलू के किरदार के प्रति प्यार उन्हें खुशी देता है। भले ही उनका किरदार उनकी शक्ल से बिल्कुल अलग है। श्वेता उर्फ गोलू ने मिर्जापुर पर गर्व व्यक्त किया कि यह पहली ओटीटी सीरीज है, जिस पर फिल्म बनाई जा रही है, लेकिन उन्होंने दर्शकों के प्यार और सम्मान के साथ आने वाली जिम्मेदारी को भी पहचाना।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, श्वेता ने आगे कहा कि सपनों का पीछा करना आसान नहीं है, लेकिन सिर्फ पैसे के लिए नौकरी करने के बजाय हर दिन अपने जुनून के लिए काम करना बेहतर रहता है। मिर्जापुर- द फिल्म 2026 में रिलीज होगी।

# 'राउडी राठौर 2' से जुड़ी अपडेट आई सामने

अक्षय कुमार और सोनाक्षी सिन्हा की मुख्य भूमिका वाली राउडी राठौर 2012 में ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। पिछले कुछ दिनों से 'राउडी राठौर 2' सुर्खियों में बना हुआ है। प्रशंसकों में फिल्म को लेकर काफी उत्साह है। हालांकि, अब तक इससे जुड़ी कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म को लेकर अब एक नई जानकारी सामने आई है।

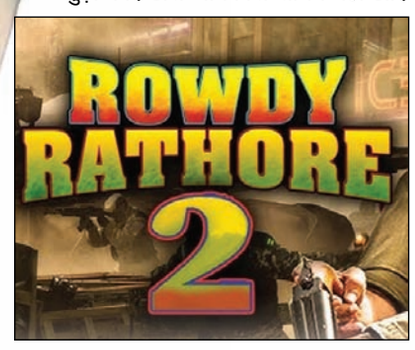


फिल्म के लीड रोल के लिए अक्षय कुमार, शाहिद कपूर, सिद्धार्थ मल्होत्रा और टाइगर श्रॉफ जैसे नाम कई बार सामने आ चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक संजय लीला भंसाली और उनकी टीम स्क्रिप्टिंग स्टेज में हैं। कहा जा रहा है कि मेकर्स ने अभी तक कास्ट को फाइनल नहीं किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कहा जा रहा था कि संजय लीला भंसाली ने राउडी राठौर 2 की स्क्रिप्ट पर काम करने के लिए कन्नड़ फिल्म निर्देशक प्रेम को साइन किया है। हालांकि, नई रिपोर्ट के मुताबिक यह भी कहा जा रहा है कि संजय लीला भंसाली ने अभी तक किसी को इसके निर्देशन के लिए फाइनल नहीं किया है।

कमेंट सेक्शन में खूब सारी तारीफें भी कर दी। एक यूजर ने लिखा, कौन कह रहा है कि कमबैक नहीं हो रहा है। दूसरे यूजर ने लिखा, हनी पाजी आपके गाने सुनकर दिन बन जाता है। एक और यूजर ने लिखा, यह सच में एपिक होने वाला है।

### शहनाज का दिखा जलवा

शहनाज गिल के फैंस इस खबर को सुनकर काफी ज्यादा एक्साइटेड हो गए हैं। कई लोगों का कहना है कि शहनाज अब धीरे-धीरे इंडस्ट्री में अपनी जगह बना रही हैं। पिछले दिनों शहनाज का गाना सात समंदर भी काफी हिट हुआ था। अभिनेत्री ने यह आइटम सॉन्ग राजकुमार राव की फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के लिए किया था, जिसके लिए उनकी खूब प्रशंसा भी हुई थी।

### शहनाज ने किया फिल्म का एलान

बता दें कि किसी का भाई किसी की जान से बॉलीवुड में कदम रखने वाली अभिनेत्री शहनाज गिल ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म इक कुड़ी की घोषणा की है। यह फिल्म 13 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

# नए साल से पहले हनी सिंह का धमाका, शहनाज के साथ लेकर आएंगे नया गाना

हनी सिंह किसी भी परिचय के मोहताज नहीं हैं। वह देश के मशहूर रैपर, गायक और संगीत निर्माता हैं। उन्होंने अपने गानों से लगातार लोगों का मनोरंजन किया है। भारतीय संगीत की दुनिया में रैप को लाने में उनका एक अहम योगदान रहा है। अब बनी सिंह पंजाब की कैटरीना शहनाज गिल के साथ एक नया गाना लाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। रैपर के फैंस भी उनके इस गाने को लेकर काफी ज्यादा एक्साइटेड हैं।

### हनी सिंह ने नए गाने का किया एलान

हनी सिंह ने हाल ही में, अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक तस्वीर साझा की है। इसके साथ रैपर ने कहा कि शीशे वाली चुन्नी, फैंस की मांग पर जल्द ही आने वाली है। इसमें टैलेंट्स अभिनेत्री शहनाज गिल भी होने वाली हैं। एक ब्लॉकबस्टर हरियाणवी गाने के लिए पूरी तरह से तैयार हो जाएं।

### फैंस ने दी यह प्रतिक्रिया

हनी सिंह के फैंस ने उनके आगामी गाने को लेकर काफी उत्साह दिखाया और

# करणवीर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं करेंगी सारा अरफीन

जब अभिनेत्री से माइंड कोच बनी सारा अरफीन खान अपने पति के साथ बिग बॉस 18 में आईं , तो सभी को उम्मीद थी कि यह जोड़ी शानदार प्रदर्शन करेगी। हालांकि, वे घर में दबाव का सामना नहीं कर सकीं। अरफीन के नॉमिनेशन के बाद, सारा लगभग तीन महीने तक घर में टिकी रहीं, लेकिन इस वीकेंड उन्हें घर से बाहर होना पड़ा। अब हाल ही में, एक साक्षात्कार में सारा अरफीन ने बताया है वह करणवीर मेहरा के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं करेंगी।

### करणवीर के खिलाफ नहीं करेंगी कार्रवाई

सारा अरफीन ने अपने हालिया साक्षात्कार में लोगों द्वारा उन्हें साइको का टैग दिए जाने को लेकर कहा मैंने कभी भी शारीरिक हिंसा नहीं की, मैं एग्रेसिव हो गई, यह एक रिएलिटी शो है, जहां अपना आपा खोना बहुत आम बात है। लोग ड्रामा देखना चाहते हैं, और उन्हें सिर्फ प्यार दिखाने से कोई मदद नहीं मिलेगी।

### साइको कहे जाने पर दी सफाई

सारा ने आगे कहा, अगर मैं शो को मसाला दे सकती हूं तो इसमें क्या गलत है? अपनी सीमाओं को प्रोटेक्ट करना मेरा गेम प्लान था। मुझे चुम दारंग और करणवीर मेहरा से शारीरिक हिंसा का सामना करना पड़ा, मैंने उसकी वजह से अपनी पीठ पर चोट खाई, लेकिन मैंने जवाबी कार्रवाई नहीं की। उन्होंने मुझे पागल या साइको कहा, लेकिन किसी ने मेरे लिए स्टैंड नहीं लिया। मुझे लगा कि दर्शकों ने मुझे निशाना बनाया है।

### सारा के प्रोफेशन को लेकर दिखाया गया नीचा

सारा ने यह भी कहा कि शो में हमेशा उनके प्रोफेशन को लेकर सवाल खड़ा किया गया है। सारा ने कहा कि अविनाश ने हमेशा मेरे प्रोफेशन को लेकर हमेशा मुझे नीचा दिखाया गया है। उसने एक नैरेटिव सेट किया है, जिसका करणवीर ने इस्तेमाल किया है। जब मैंने अपनी सीमा तय कर ली है को इसे लेकर मुझे पागल क्यों समझा जाता था?

### करणवीर ने नहीं डरतीं सारा

सारा ने यह भी कहा, आपको लगता है, मुझे करणवीर से डर लग गया था जब उसने मुझे धक्का दिया, मैं उसे गलत जगह एक मुक्का मार सकती थी और वह खत्म हो जाता, लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया। मुझे दर्शकों से बहुत सारे नफ़रत भरे संदेश मिले हैं, फिर भी मैं यहाँ मज़बूती से खड़ी हूं।

# रामकृष्ण परमहंस के किरदार को पर्दे पर जीवंत करेंगे चंदन रॉय सान्याल

हाल ही में चंदन रॉय सान्याल, जो अपनी आगामी फिल्म बिनोदिनी - एक्टी नातिर उपाख्यान नाम की फिल्म जल्द ही रामकृष्ण परमहंस के किरदार में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म को लेकर वह इन दिनों काफी ज्यादा सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस बीच अभिनेता ने अपने फेसबुक अकाउंट से एक कोलाज साझा किया है, जिसमें रामकृष्ण परमहंस, मिथुन चक्रवर्ती और खुद चंदन नजर आ रहे हैं। साझा की गई तस्वीर उनके फैंस का ध्यान खूब आकर्षित कर रही है। इस तस्वीर में मिथुन चक्रवर्ती को रामकृष्ण परमहंस के रूप में देखा जा सकता है, जो उन्होंने 1998 की फिल्म स्वामी विवेकानंद में निभाया था। चंदन की पोस्ट में उनकी खुद की तस्वीर भी थी, जिसमें वह रामकृष्ण परमहंस के रूप में दिख रहे हैं।

उन्होंने इस पोस्ट में यह भी कहा कि कैसे वह बचपन से रामकृष्ण के अनुयायी रहे हैं और अब, बहुत सारे आत्मिक विकास और मार्गदर्शन के बाद, वह इस दिव्य भूमिका को निभाने के लिए तैयार महसूस कर रहे हैं। चंदन ने पोस्ट में लिखा, कुछ भूमिकाएं आपके पास एक विशेष समय में आती हैं, क्योंकि मेरा मानना है कि सब कुछ सर्वशक्तिमान द्वारा योजनाबद्ध किया जाता है। मैं अपने करियर में पहले यह रोल नहीं कर सकता था। जब यह भूमिका मेरे पास आई तो मैं हैरान था। मैं इस सोच में पड़ गया था कि इस किरदार को कैसे चित्रित करूंगा? एक बच्चे के रूप में मैंने रामकृष्ण मिशन में कई दिन बिताए थे और अधिकांश बंगाली परिवार उनके अनुयायी हैं। मैं उनके और स्वामीजी के साथ बड़ा हुआ। चंदन ने पोस्ट में जताया आभार

उन्होंने आगे लिखा, हाल ही में मेरे गुरु मैत्रेय दादाश्रीजी ने मुझे दिव्य ज्ञान का रास्ता दिखाया। उनके मार्गदर्शन, शिक्षाओं, परमहंस योगानंद की किताब और कई अन्य स्क्रिप्ट और संगीत ने मुझे इस भूमिका को निभाने में मदद की। राम कमल मुखर्जी मुझे यह भूमिका देने के लिए धन्यवाद। देव अधिकारी अपने प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद। मेरी को-स्टार रुकमणि और मेरे लुक को आकार देने के लिए रेणुका पिल्लई को भी धन्यवाद। नया साल आ गया है और 2025 में मेरे जीवन का एक नया सूर्योदय हो रहा है। तस्वीरों में रामकृष्ण खुद हैं, उसके बाद मेरे पसंदीदा मिथुन चक्रवर्ती हैं जिन्होंने 90 के दशक में इस भूमिका को निभाया था, और अंत में मेरी तस्वीर है। मुझे नहीं पता मैं क्या कर रहा हूं, बस बहते जा रहा हूं।

# अब ओटीटी पर चलेगा सूरज बड़जात्या का जादू

जल्द ही सोनी लिव पर सीरीज 'बड़ा नाम करेंगे' का प्रीमियर होगा। यह ओटीटी पर राजश्री प्रोडक्शंस का डेब्यू शो होने वाला है। यह एक लव स्टोरी वाली सीरीज हैं, जिसमें फैमिली वैल्यूज भी होंगे। यही बात तो राजश्री प्रोडक्शंस और सूरज बड़जात्या की खासियत है।

### मन को छू लेने वाली कहानी

सीरीज 'बड़ा नाम करेंगे' मन को छू लेने वाली है, इसको पलाश वासवानी द्वारा निर्देशित किया गया है। हालिया जारी टीजर में प्यार, परिवार को जोड़कर एक कहानी की झलक दिखाई गई है। इस सीरीज में ऋषभ और सुरभि की कहानी है, जिनकी अरेंज मैरिज एक अलग ही मोड़ लेती है, जब उनके अतीत की बातें सामने आती हैं। आगे दोनों अपने रिश्ते को लेकर क्या फैसला लेंगे, इस पर पूरी कहानी है।

### उत्साहित हैं सूरज बड़जात्या

सीरीज 'बड़ा नाम करेंगे' के बारे में सूरज आर.बड़जात्या ने कहा- 'यह सीरीज मेरे दिल में एक खास जगह रखती है। इसके साथ हम रिश्तों की खूबसूरती, प्यार की गहराई और पारिवारिक मूल्यों की मजबूती के बारे में बता रहे हैं। मैं इस दिल को छू लेने वाली कहानी को दर्शकों के साथ साझा करने के लिए उत्साहित हूं। सोनी लिव के साथ मिलना, हमारे लिए शानदार एक्सपीरियंस है।